पी र जी ऐ नंबर। TGHIN/26/A7665

श्वेता विजन

"नजरिया साफ, खब्बरें निष्पक्ष" हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पृष्ट – 1। अंक – 31। वर्ष – 8। मूल्य – 3रु

धर्म बदलने पर नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसलाय तमिलनाडु सरकार को झटका

2

मोदी सरकार के अब तक के कार्यकाल में कई चौंकाने वाले इस्तीफे हुए, जिसमें मंत्री और शीर्ष पदों पर बैठे लोग शामिल हैं.

हैदराबादः केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन ने 13 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखने के बाद अपने मंत्रालय और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. अपने पत्र में मुरुगन ने कहा कि वह तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) को मजबूत करने के लिए अपना पूरा समय देना चाहते हैं.

मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में अब तक कई इस्तीफे हो चुके हैं, जिनमें मंत्री और शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारी दोनों शामिल हैं. आइए इनके बारे में जानते हैं.

डॉ. अरविंद पनगढ़ियाः नीति आयोग के पहले वाइस–चेयरमैन डॉ. पनगढ़िया ने 31 अगस्त, 2017 को यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने उनकी छुट्टी अगस्त 2017 से आगे नहीं बढ़ाई है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ डॉ.

एमजे अकबरः 17 अक्टूबर 2017 को, कई महिलाओं द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री एमजे अकबर ने इस्तीफा दे दिया. इसके साथ ही, वह भारत में रुडमज्वब आंदोलन के कारण अपनी नौकरी छोड़ने वाले पहले हाई प्रोफाइल व्यक्ति बन गए. इस्तीफा देने से तीन दिन पहले, अकबर ने अपने ऊपर आरोप लगाने वाली 20 महिलाओं में से एक पर मानहानि का केस किया था, जिसमें उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की साजिश का आरोप लगाया गया था.डॉ. अरविंद सुब्रमणियनः 20 जून, 2018 को भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. अरविंद सुब्रमणियन ने पारिवारिक कारणों से अमेरिका लौटने की इच्छा जताते हुए इस्तीफा दे दिया. उन्होंने मई 2019 में अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले पद छोडने का फैसला किया.उर्जित पटेलः 10 दिसंबर 2018 को, भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) के गवर्नर उर्जित पटेल ने निजी कारणों का हवाला देते हुए तत्काल प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया. उनका कार्यकाल सितंबर 2019 तक था. हालांकि, उन्होंने लगभग 10 महीने पहले ही पद छोड़ दिया. उर्जित पटेल ने आरबीआई गवर्नर के तौर पर 5 सितंबर, 2016 को पद संभाला था, और साल 1992 के बाद उनका यह सबसे छोटा कार्यकाल था. पूर्व त्ठप् गवर्नर रघुराम राजन ने उनके इस्तीफे को सरकार के खिलाफ विरोध का प्रतीक बताया था.डॉ. सुरजीत भल्लाः डॉ. भल्ला ने दिसंबर 2018 में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद से इस्तीफा दे दिया था.पी.सी. मोहनन और डॉ. जे. पी. मीनाक्षीः 28 जनवरी 2019 को, पी. सी. मोहनन ने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (च्मतपवकपब स्ंइवनत थ्वतबम ैनतअमल) को प्रकाशित न किए जाने के विरोध में राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, और उनके साथ सदस्य डॉ. जे.वी. मीनाक्षी ने भी इस्तीफा दे दिया था. दोनों का कार्यकाल जून 2020 में समाप्त होने वाला था.

'अभिजीत दिपके को कंट्रोल करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे', दिल्ली पुलिस ने हाई कोर्ट को दिया भरोसा

कॉकरोच जनता पार्टी (ब्श्रच्) के प्रमुख अभिजीत दिपके ने एक बार फिर से राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया है। सीजेपी ने 16 अक्टूबर यानी कल एक बार फिर प्रोटेस्ट (लहरा दो तिरंगा) का कॉल दिया है। दिपके ने वीडियो मैसेज जारी कर लोगों से 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे तिरंगा लेकर कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आने की अपील की है। हालांकि, प्रदर्शन से पहले कनॉट प्लेस में सामान बेचने वाले दुकानदार हाई कोर्ट पहुंच गए और इस विरोध–प्रदर्शन को रोके जाने की अपील की। हाई कोर्ट अभिजीत दिपके को विरोध–प्रदर्शन करने से रो. कने का आदेश देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, पुलिस ने कोर्ट को भरोसा दिया है कि वह अभिजीत दिपके को कंट्रोल करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगी।

पुलिस ने कोर्ट में क्या कहा?

दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि वह कल कनॉट प्लेस में विरोध प्रदर्शन के आह्वान को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी और उसके प्रमुख अभिजीत दिपके को कंट्रोल करने के लिए सभी संभव कदम उठाएगी। हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के इस बयान को रिकॉर्ड पर लिया। बता दें कि बुधवार को कनॉट प्लेस में ब्श्रच् के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। पुलिस ने हाई कोर्ट को बताया है कि विरोध–प्रदर्शन को नियंत्रित करने और कानून के अनुसार सभी संभव कदम उठाए जाएंगे।यह दशहरा का वीकेंड–याचिकाकर्तायह मामला पालिका बाजार, कनॉट प्लेस में सामान बेचने वाले दुकानदारों की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा– "कनॉट प्लेस में सेंट्रल पार्क के बीचों–बीच एक विरोध–प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। ऐसा लगता है कि हमें निशाना बनाया जा रहा है। यह (विरोध–प्रदर्शन के लिए) कोई सही जगह नहीं है। उन्होंने पहले ही दुकानें बंद करना शुरू कर दिया है। यह दशहरा का वीकेंड है। इस विरोध–प्रदर्शन को रोका जाना चाहिए।"गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र

अभिजीत दिपके के इस प्रदर्शन के खिलाफ चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने भी मोर्चा खोल दिया है। इन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को लेटर

'पाकिस्तान से होने वाली हर आतंकी हरकत का देंगे और भी कड़ा जवाब', रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी चेतावनी

सीमा पार पनपने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को दोहराते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज (गुरुवार को) कहा कि पाकिस्तान की तरफ से आगे कोई भी आतंकवादी हरकत होने पर और भी कड़ा जवाब देंगे। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि भले ही भारत की सांस्कृतिक परंपरा सह–अस्तित्व, बातचीत और विवादों के शांति से समाधान का समर्थन करती है, लेकिन शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराना हमारी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।

भारत ने अपनी स्ट्रैटेजी में कर लिया है बदलावबता दें कि नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट एयरस्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक महज मिलिट्री ऑपरेशन नहीं थे, ये भारत की स्ट्रैटेजी में आए एक बड़े बदलाव को भी दिखाता है। भारत अब केवल कूटनीतिक निंदा करने की जगह, आतंकवाद को उसकी जड़ से समाप्त करने के लिए सक्रिय कदम भी उठा रहा है।'शांति बनाए रखने के लिए शक्ति और क्षमता दोनों जरूरीराजनाथ सिंह ने आगे कहा कि 2014 से, अधिकतर आतंकवादियों की 'शेल्फ लाइफ' घटकर 1 साल से भी कम हो गई है। सुरक्षा बल उन्हें भारत के विरुद्ध हथियार उठाने के 1 साल के भीतर ही खत्म कर देते हैं। इसके अलावा, रक्षा मंत्री ने शांति बनाए रखने के लिए शक्ति और क्षमता, दोनों को जरूरी बताया है। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि हमारा देश शांति चाहता है, लेकिन वह जंग के लिए भी पूरी तरह तैयार है, क्योंकि भारत की रक्षा के लिए कभी–कभी युद्ध जरूरी हो जाता है। शांति के लिए हमारी प्रतिबद्धता अडिग है, फिर भी हम किसी भी चैलेंज का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हमारा टारगेट एक ऐसा भारत बनाना है जो शांति की वकालत तो करे, लेकिन साथ ही सिक्योरिटी के मामले में पूरी तरह से सतर्क रहे। अपनी संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह से सक्षम होः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंहफ्लाईदुबाई कांड ने उजागर किया लोन–वुल्फ हमलावरों का खतरारक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल में हुए फ्लाईदुबई कांड का भी जिक्र किया, जिसमें को–पायलट ने कथित रूप से यात्री विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने का प्रयास किया था। उन्होंने कैप्टन स्मित मच्छार की भी बात की, जिन्होंने एक बड़े टैरर अटैक को टालने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी थी। उन्होंने कहा, 'इस घटना ने लोन–वुल्फ हमलावरों से जुड़े खतरों को उजागर कर दिया है। साथ ही, इसने यह भी दिखा दिया है

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के व्यवहार पर नाराजगी जताई, कहा– उन्हें सफाई देनी होगी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के व्यवहार पर नाराजगी जताई और कहा कि कोई भी न्यायपालिका को डरा नहीं सकता. हम जमीनी हकीकत से दूर नहीं हैं.सुप्रीम कोर्ट ने यह बात तब कही जब एक वरिष्ठ वकील ने प्छक्प्। ब्लॉक के नेताओं के 12 अक्टूबर को कोर्ट के फाइलिंग काउंटर में घुसने के संबंध में कोर्ट के दखल की मांग वाली याचिका पर बहस की. याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ वकील और बीज. `पी नेता गौरव भाटिया ने किया.

भाटिया ने दलील दी कि ऐसा नहीं हो सकता और उन्हें सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले उन 200 वकीला. ' की पीड़ा को समझना चाहिए जिन्होंने इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. उन्होंने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि न्यायपालिका को इस तरह से धमकाना और चिल्लाना...

ब्श्रप् ने कहा, "कोई भी डरा नहीं सकता. इसकी चिंता मत करो..."

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि 12 अक्टूबर को हुए राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट मार्च के दौरान हुई अव्यवस्था पर उन्हें सफाई देनी होगी. राहुल गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से सीजेआई ने कहा कि याचिकाकर्ता (राहुल गांधी) को सफाई देनी होगी. भाटिया ने कहा कि हालांकि वे इसके प्रति सचेत हैं और उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि कोई भी इसे डरा–धमका नहीं सकता, फिर भी किसी भी व्यक्ति द्वारा इसे डराने–धमकाने का प्रयास चिंताजनक है.ब्श्रप् ने कहा कि कोई भी इन को. शिशों पर ध्यान नहीं देता और कहा, "वे बाहर क्या बयान देते हैं और अंदर क्या बयान देते हैं. हम किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं बैठे हैंय हमें भी हर बात की खबर है. आप इसकी चिंता न करें."

च्ड मोदी ने किया लेह एयरपोर्ट का उद्घाटन, ये देश का पहला जियोथर्मल हीटिंग सुविधाओं वाला एयरपोर्ट बना

श्रीनगरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लद्दाख में कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और लोकार्पण किया, जिसमें लेह में एयरपोर्ट टर्मिनल भी शामिल है. कुल 3350 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स में लेह में पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग कुशोक बकुला रिम्पोची एयरपोर्ट शामिल है. इसके अलावा प्रोजेक्ट्स में स्ट्रेटेजिक रोड कनेक्टिविटी, हाइड्रोपावर, हेरिटेज कंजर्वेशन और वॉटर सिक्योरिटी शामिल हैं.पीएम ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा, 'आज लद्दाख की तरक्की और विकास में एक और चैप्टर जुड़ गया है. मुझे टेक्नोलॉजी के जरिए इस मौके का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है. आज लद्दाख में कई जरूरी विकास प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन हुआ है. इन प्रोजेक्ट्स से कई लोगों का आना–जाना आसान होगा, कुछ इलाकों में बिजली की सुविधा बेहतर होगी, पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और हमारी पुरानी विरासत के संरक्षण को नई ताकत मिलेगी.'प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं इन प्रोजेक्ट्स के लिए लद्दाख के सभी लोगों को बधाई देता हूं. मैं इन प्रोजेक्ट्स में शामिल सभी इंजीनियरों, मजदूरों और स्थानीय साथियों को भी बधाई देता हूं. मैं खास तौर पर बीआरओ के हमारे साथियों की तारीफ करता हूं.'640 करोड़ रुपये से बना लेह एयरपोर्ट 23,800 स्क्वायर मीटर में फैला है640 करोड़ रुपये की लागत से बना लेह एयरपोर्ट 23,800 स्क्वायर मीटर में फैला है और उम्मीद है कि इससे हर साल 35 लाख पैसेंजर आ–जा सकेंगे. पीएम ने याद दिलाया कि कुछ समय पहले उन्होंने लेह के कुशोक बकुला रिम्पोची एयरपोर्ट पर पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग की नींव रखी थी, और आज उन्हें इस जरूरी प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने का मौका मिला.'खराब मौसम को लेकर जियोथर्मल टेक्नोलॉजी का इस्तेमालपीएम ने कहा, 'यह टर्मिनल एयरपोर्ट की सालाना पैसेंजर कैपेसिटी को 10 लाख से बढ़ाकर 35 लाख कर देगा. यहां फ्लाइट्स की संख्या भी तीन गुना बढ़ सकती है. इस टर्मिनल की एक और खास बात यह है कि लद्दाख के खराब मौसम को ध्यान में रखते हुए, यहां जियोथर्मल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है. सोलर एनर्जी का भी इस्तेमाल किया गया है. यह भारत का पहला एयरपोर्ट टर्मिनल है जिसमें जियोथर्मल हीटिंग की सुविधा है. आप सभी को बधाई.'298 ाउ लंबी निम्मू–पदुम–दारचा सड़क का उद्घाटनपीएम ने298 किलोमीटर लंबी निम्मू–पदुम–दारचा रोड भी देश को समर्पित की. बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (ठत्व्) ने इसे बनाया है. यह लेह में निम्मू को हिमाचल प्रदेश के दारचा से दूर जांस्कर वैली के जरिए जोड़ेगी और श्रीनगर–लेह और मनाली–लेह हाईवे को सपोर्ट करते हुए लद्दाख के लिए एक अल्टरनेटिव कॉरिडोर होगा.एक अधिकारी ने कहा, 'इस सड़क की स्ट्रेटेजिक अहमियत ऑपरेशनल मोबिलिटी को बढ़ाने और आर्म्ड फोर्सेज के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट को मजबूत करने में है,' उन्होंने आगे कहा कि इससे जांस्कर के लोगों को हेल्थकेयर, एजुकेशन, मार्केट और जरूरी सर्विसेज तक पहुंच बेहतर होने से भी फायदा होगा.

9 मेगावाट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का उद्घाटनपीएम मोदी ने 9 मेगावाटके हनु स्मॉल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट और 66 केवी डबल–सर्किट दाह–हनु–ठ ालत्सी ट्रांसमिशन लाइन का भी उद्घाटन किया.

40 वॉटर बॉडीज का आज उद्घाटन इसके अलावा लेह के सिंधु घाट में

श्वेता विजन
सच देखे । सही दिखाए

TGSPDCL मदान्नापेट सेक्शन, संतोष नगर सब–डिवीजन, हैदराबाद के असिस्टेंट इंजीनियर ।ब्ठ के जाल में फंसे

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

TGSPDCL] मदान्नापेट सेक्शन, संतोष नगर सब–डिवीजन, हैदराबाद के असिस्टेंट इंजीनियर (।े) श्री पंडाला संध्या राकेश को ।ब्ठ (सिटी रेंज–प्प्) के अधिकारियों ने रंगे हाथों पकड़ा। उन्होंने शिकायतकर्ता से एक सरकारी काम करने के बदले 1,20,000 रुपये की रिश्वत मांगी और ली। यह काम शिकायतकर्ता के ऑनलाइन आवेदनों को मंजूर करके, पुराने गायब हो चुके बिजली मीटरों की जगह छह (6) नए बिजली मीटर लगवाने से जुड़ा था।रिश्वत के तौर पर लिए गए 1,20,000 रुपये आरोपी असिस्टेंट इंजीनियर के पास से बरामद किए गए। इस तरह, उन्होंने अनुचित लाभ पाने के लिए अपने कर्तव्यों का पालन गलत तरीके से और बेईमानी से किया।इसलिए, आरोपी को न्यायिक रिमांड के लिए नामपल्ली स्थित ैच्ब और ।ब्ठ मामलों के माननीय प्रिंसिपल स्पेशल जज के सामने पेश किया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का विवरण गुप्त रखा गया है।सेल फोन नंबर – 1064 (टोल–फ्री नंबर):यदि कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है, तो आम जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए ।ब्ठ के टोल–फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ।ब्ठ तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म – व्हाट्सएप (9440446106), फेसबुक (ज्मसंदहंद ।ब्ठ) और ग (पूर्व में ट्विटर – ⁄ज्मसंदहंद ।ब्ठ) के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है। ।ब्ठ तेलंगाना से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ।ब्ठ का फ्त कोड भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता का नाम और विवरण पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा।पी.आर.ओ. (६ए६)एंटी–करप्शन ब्यूरो (।ब्ठ), तेलंगाना, हैदराबाद।

निर्वाचन आयोग 17 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में करेगा मतदाता सूची

नई दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को घोषणा की कि 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' (ै) किया जाएगा. इनमें वैसे राज्य भी शामिल हैं, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं.

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा सहित इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे एक पत्र में आयोग ने बताया कि एक जनवरी 2027 पात्रता तिथि मानी जाएगीइस एसएसआर का मकसद पात्र मतदाताओं, विशेषकर युवाओं और पहली बार मतदान करने वालों को मतदाता सूची में शामिल करना, इसकी प्रविष्टियों में सुधार करना और इसमें संशोधन को और बेहतर बनाना है.इसमें जहां 403–सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 22 मई को समाप्त हो रहा है, वहीं 60–सदस्यीय मणिपुर, 40–सदस्यीय गोवा, 117–सदस्यीय पंजाब और 70–सदस्यीय उत्तराखंड विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग–अलग तारीखों पर समाप्त होगा.इस संबंध में, भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल,

लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, मणिपुर, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (ब्म्व्) को पत्र लिखा.इन 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, मणिपुर, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं.चुनाव आयोग के पत्र में कहा गया है, 'जिन राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों में 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (ैचमबपंस प्दजमदेपअम त्मअपेपवद –ैप्त्) चल रहा है या अभी पूरा हुआ है – जैसे कि आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, हरियाणा, झारखंड,

'कोर्ट को कोई डरा धमका नहीं सकता', दिल्ली प्रोटेस्ट पर ैब् में आज क्या क्या हुआ, 10 प्वाइंट्स में जानें

सुप्रीम कोर्ट में आज दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित दोनों चुनाव आयुक्तों को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा। इसी दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट मार्च पर भी चर्चा हुई। वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में राजनीतिक जुलूस निकाले जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह अस्वीकार्य है। उन्होंने इसे न्यायपालि.का को डराने–धमकाने और उस पर दबाव बनाने की कोशिश करार दिया। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कोई भी न्यायपालिका को डरा–धमका नहीं सकतासुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं की ओर से दायर एक याचिका पर भारतीय निर्वाचन आयोग और अन्य को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस याचिका पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जवाब मांगा है।विरोध प्रदर्शनों के दौरान महिला पत्रकारों के साथ पुलिस की कथित बदसलूकी और मारपीट के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता दिखाई और कोर्ट ने संकेत दिया कि इन आरोपो.ं की सुनवाई और जांच के लिए एक कमेटी गठित की जा सकती है। इस मामले में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (ब्श्रप्) ने वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह से जरूरी दस्तावेज दो सीलबंद लिफाफों में पेश करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ैप्त् में कथित अनियमितताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने के खिलाफ दायर एक याचिका पर राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य नेताओं को नोटिस जारी किया और साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि कोई भी न्यायपालिका पर दबाव नहीं डाल सकता।

सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन पर पाबंदियों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने 12 अक्टूबर को राहुल गांधी के आचरण पर भी सवाल उठाए और कहा कि उन्हें इस पर स्पष्टीकरण देना होगा। कपिल सिब्बल ने बताया कि वह फिलहाल राहुल गांधी की ओर से पेश हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह और ।प्डप्ड सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर नोटिस जारी किया है।सुप्रीम कोर्ट में विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों पर हमले के मुद्दे पर सॉलिसीटर जनरल ने कहा कि टेक्नोलॉजी के इस दौर में, मोबाइल रखने वाला कोई भी व्यक्ति पत्रकार बन सकता है। कई लोग माइक लेकर कहते हैं कि वे रिकॉर्डिंग कर रहे हैं और फिर उसे रील के तौर पर अपलोड कर देते हैं। हमें पता नहीं चलता कि कौन रील बनाने वाला है और कौन स्वतंत्र पत्रकार। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि वह विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से महिला पत्रकारों पर किए गए हमले के आरोपों की सुनवाई और जांच के लिए एक समिति का गठन करेगा।सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को दिल्ली में हुए प्रदर्शन से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। वहीं, जंतर–मंतर को डिनोटिफाई किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्या यह फैसला कोर्ट की कुछ मौखिक टिप्पणियों की वजह से लिया गया था या फिर इसे आम प्रदर्शन स्थल के रूप में इस्तेमाल करने की उपयोगिता पर विचार करने के बाद लिया गया था। इसपर ैळ मेहता ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस निर्णय का आधार नहीं है। कमेटी का गठन बहुत पहले ही कर दिया गया था और कमेटी ने एक विस्तृत रिपोर्ट दी है।मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि महिला पत्रकार को गिरफ्तार न किया जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि अगर महिला पत्रकार जांच में शामिल होती है, तो उसे गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। जांच में शामिल होने की शर्त और अदालत के निर्देश के बीच आगे की प्रक्रिया का पालन संबंधित एजेंसियों को करना होगा। ब्श्रप् ने कहा कि बोलने की आजादी के आड़ में अगर हर कोई पत्रकार बनने लगे तो समस्या उत्पन्न हो जाती है।दिल्ली विरोध–प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस अदालत के सामने हर आवाज कीमती है और सबकी बात सुनी जाएगी। गृह मंत्रालय, दिल्ली मेट्रो और दिल्ली पुलिस द्वारा दाखिल हलफनामों का सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया। काउंटर एफिडेविट दाखिल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई।एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के 13 नेताओं की अर्जी, मेट्रो बंदी और पुलिस कार्रवाई, ैप्त् रद्द करने को लेकर असदुद्दीन ओवैसी की याचिका और विपक्ष के ैब् दौरे के दौरान हंगामा के मामले में सभी जुड़े पक्षों को नोटिस जारी करने के

धर्म बदलने पर नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसलाय तमिलनाडु सरकार को झटका

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू धर्म में अनुसूचित जाति (ै) या पिछड़े वर्ग से जुड़ा व्यक्ति किसी दूसरे धर्म को अपनाने के बाद उसी आधार पर आरक्षण का लाभ पाने का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट के मुता.बिक, हिंदू सामाजिक व्यवस्था में किसी व्यक्ति की सामाजिक पिछड़ेपन से जुड़ी स्थिति दूसरे धर्म को अपनाने के बाद अपने आप उस धर्म की सामा.जिक व्यवस्था में लागू नहीं हो जाती।कोर्ट ने इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को सही माना है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसमें धर्म बदलकर मुस्लिम बने लोगों को आरक्षण देने का फैसला किया गया था।तमिलनाडु सरकार को झटका

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि इस्लाम अपनाने भर से कोई व्यक्ति राज्य की तय पिछड़े मुस्लिम समुदायों में शामिल नहीं हो जाता। पुराने जाति या समुदाय के आधार पर नए धर्म में आरक्षण का लाभ अपने आप नहीं मिल सकता। कोर्ट ने कहा कि अनुसूचित जाति का दर्जा भी संविधान में तय धर्म संबंधी नियमों के अनुसार ही मिलेगा। दरअसल, तमिलनाडु सरकार ने मार्च 2024 में एक आदेश जारी किया था। इसके तहत पिछड़े वर्ग, अति पिछड़े वर्ग, कुछ अधिसूचित समुदायों और अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को पिछड़े मुस्लिम वर्ग के तहत प्रमाणपत्र देकर आरक्षण का लाभ देने की व्यवस्था की गई थी। मद्रास हाईकोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की अधिसूचना को कर दिया था रद्द

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति चंद्रशेखर की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि इस्लाम अपनाने वाला कोई व्यक्ति केवल धर्म परिवर्तन के आधार पर 'पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम)' श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखते हुए, जिसने धर्म परिवर्तन करने वाले मुसलमानों को आरक्षण देने संबंधी तमिलनाडु सरकार की अधिसूचना को रद्द कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।7 अगस्त को, शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार की अपील में कहा गया था कि यह फैसला ऐसे महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है जो एक विशेषज्ञ वैधानिक आयोग की सिफारिशों के आधार पर बनाई गई कार्यकारी नीति में हस्तक्षेप के दायरे से जुड़े हैं।

अंकिता भंडारी मर्डर केस में इंडिया गेट पर धरना दे रहे उसके माता–पिता पुलिस हिरासत से रिहा, कई कांग्रेसी नेता अभी भी डिटेन

नई दिल्ली: उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी के लिए इंसाफ की लड़ाई में धरने पर बैठे अंकिता के माता–पिता को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद अब छोड़ दिया है। कल रात दिल्ली पुलिस ने इंडिया गेट के पास धरने पर बैठे अंकिता भंडारी के माता पिता के साथ कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। बाद में पुलिस ने अंकिता के माता पिता को छोड़ दिया। कांग्रेस के कुछ नेताओं को पुलिस ने अभी हिरासत में रखा है। दरअसल, बुधवार अंकिता के माता–पिता इंडिया गेट में धरने पर बैठ गए थे। देखते ही देखते कांग्रेस नेताओं ने इस पर सियासत शुरू कर दी। मोदी सरकार और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कई घंटों तक कांग्रेसी नेता नारेबाजी करते रहे। इसके बाद देर रात पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स ने कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और अंकिता के माता पिता को हिरासत में लिया था। रातभर चला धरना प्रदर्शनजानकारी के अनुसार, कांग्रेसी नेताओं के साथ अंकिता भंडारी के माता–पिता ने रात भर इंडिया गेट पर धरना प्रदर्शन किया। सुबह करीब चार बजे सभी को हिरासत में ले लिया गया। कांग्रेस ने पुलिस के इस कदम की कड़ी निंदा की। कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शनकारियों क

इससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस डच् प्रियंका गांधी ने धरने के दौरान अंकिता के माता–पिता से मुलाकात की। बता दें कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड के एक रिसॉर्ट में काम करती थी। उसकी सितंबर 2022 में हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश उसी साल 24 सितंबर को चिल्ला नहर से मिली थी। रिसॉर्ट के मालिक पुलि.कत आर्य और दो कर्मचारियों, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 30 मई, 2025 को हत्या, सबूत मिटाने और दूसरे अपराधों के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। साथ बदसलूकी करने और अंकिता के लिए न्याय की मांग करने वालों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। अंकिता के परिजनों ने कहा कि अगर न्याय नहीं मिला, तो मेरी बेटी को न्याय मिलने तक पूरे देश में विरोध प्रदर्शन होंगे। सितंबर 2022 में हुई थी अंकिता की हत्याइससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस डच् प्रियंका गांधी ने धरने के दौरान अंकिता के माता–पिता से मुलाकात की। बता दें कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड के एक रिसॉर्ट में काम करती थी। उसकी सितंबर 2022 में हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश उसी साल 24 सितंबर को चिल्ला नहर से मिली थी। रिसॉर्ट के मालिक

श्वेता विजन
सत्य देखे | सही दिखाए

ये संपत्ति भोले बाबा, वैष्णवी और सुकृति डेयरियों और उनके मैनेजमेंट की है. जांच में 234 करोड़ के मिलावटी घी की सप्लाई का पता चला.

अमरावती (आंध्र प्रदेश): तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (ज्ज्क) में 'लड्डू प्रसादम' बनाने के लिए मिलावटी घी की सप्लाई से जुड़े मामले में बड़े पैमाने पर 'हवाला' के जरिये लेनदेन हुआ है. बुधवार को ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 129.85 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां कुर्क कर लीं.बुधवार को जारी एक बयान में, ईडी ने बताया कि भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी प्राइवेट लिमिटेड, श्री वैष्णवी डेयरी स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड और सुकृति फूड्स प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनियों के साथ–साथ उनके प्रमोटरों– विपिन जैन, पोमिल जैन और कैलाश चंद मंगला और उनके परिवार के सदस्यों की 129.85 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां कुर्क कर लीं. इसके साथ ही, इस मामले में अब तक कुर्क की गई संपत्तियों की कुल कीमत 132.55 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है.

केमिकल मिलाकर पॉम ऑयल को घी के रूप में सप्लाई किया गयाभोले बाबा डेयरी ने तिरुमाला टीटीडी को कुछ सीधे तौर पर और कुछ अपनी मुखौटा कंपनियों– वैष्णवी डेयरी और सुकृति फूड्स के जरिए मिलावटी घी की सप्लाई की, जिसकी कुल कीमत 234.50 करोड़ रुपये थी. वैष्णवी डेयरी और सुकृति फूड्स ने टीटीडी के टेंडरों में केवल कमीशन कमाने के लिए हिस्सा लिया था.

भोले बाबा डेयरी और सुकृति फूड्स के प्लांटों में, रिफाइंड पॉम ऑयल, पॉम कर्नेल ऑयल और पामोलीन को मोनोग्लिसराइड्स, एसिटिक एसिड एस्टर, लैक्टिक एसिड और बीटा–कैरोटीन जैसे केमिकल के साथ मिलाया गया और असली घी के नाम पर टीटीडी को सप्लाई किया गया. जनता के स्वास्थ्य और भक्तों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके, उन्होंने भारी मात्रा में अवैध मुनाफा कमाया है. इस मामले में प्रारंभिक और पूरक चार्जशीट पहले ही दायर की जा चुकी है.

छह राज्यों में फैले हवाला लिंक

मिलावटी घी बनाने के लिए खरीदे गए पॉम ऑयल को दूसरी पार्टियों को बेचे जाने का दावा करने के लिए फर्जी इनवॉइस तैयार किए गए थे. डेयरी के कामकाज को वैध दिखाने के लिए, डेयरियों ने झूठे रिकॉर्ड और बिल बनाए, जिनमें दूध और घी की खरीद के साथ–साथ मलाई निकले दूध और अन्य सह–उत्पादों की बिक्री के झूठे दस्तावेज तैयार किए गए थे.इन दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न बैंकिंग चौनलों के जरिए भुगतान (पेमेंट) किया गया. इसके बाद, इन पैसों को 'हवाला' नेटवर्क के जरिए नकद के रूप में वापस लाया गया और घोटाले में शामिल लोगों के बीच बांट दिया गया. ये 'हवाला' लिंक उत्तराखंड, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में फैले हुए हैं.इस साल 3 जून को, प्रवर्तन निदेशालय (म्व्) ने इस घोटाले के मास्टरमाइंड, डेयरी संचाल. को, मिलावट के लिए इस्तेमाल होने वाले रसायनों के आपूर्तिकर्ताओं और फर्जी बिल देने वाले व्यक्तियों के आवासों और कार्यालयों सहित 16 स्थानों पर तलाशी ली थी. इन कार्रवाइयों के दौरान, ईडी ने विभिन्न बैंक खातों में जमा राशि के साथ 2.70 करोड़ रुपये नकद जब्त किए. भोले बाबा और सुकृ ति फूड्स के प्रतिनिधि विपिन जैन और कैलाश चंद मंगला को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. टीटीडी को कुछ सीधे तौर पर और कुछ अपनी मुखौटा कंपनियों– वैष्णवी डेयरी और सुकृति फूड्स के जरिए मिलावटी घी की सप्लाई की, जिसकी कुल कीमत 234.50 करोड़ रुपये थी. वैष्णवी डेयरी और सुकृति फूड्स ने टीटीडी के टेंडरों में केवल कमीशन कमाने के लिए हिस्सा लिया था.

भोले बाबा डेयरी और सुकृति फूड्स के प्लांटों में, रिफाइंड पॉम ऑयल, पॉम कर्नेल ऑयल और पामोलीन को मोनोग्लिसराइड्स, एसिटिक एसिड एस्टर, लैक्टिक एसिड और बीटा–कैरोटीन जैसे केमिकल के साथ मिलाया गया और असली घी के नाम पर टीटीडी को सप्लाई किया गया. जनता के स्वास्थ्य और भक्तों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके, उन्होंने भारी मात्रा में अवैध मुनाफा कमाया है. इस मामले में प्रारंभिक और पूरक चार्जशीट पहले ही दायर की जा चुकी है.

छह राज्यों में फैले हवाला लिंक

मिलावटी घी बनाने के लिए खरीदे गए पॉम ऑयल को दूसरी पार्टियों को बेचे जाने का दावा करने के लिए फर्जी इनवॉइस तैयार किए गए थे. डेयरी के कामकाज को वैध दिखाने के लिए, डेयरियों ने झूठे रिकॉर्ड और बिल बनाए, जिनमें दूध और घी की खरीद के साथ–साथ मलाई निकले दूध और अन्य सह–उत्पादों की बिक्री के झूठे दस्तावेज तैयार किए गए थे.इन दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न बैंकिंग चौनलों के जरिए भुगतान (पेमेंट) किया गया. इसके बाद, इन पैसों को 'हवाला' नेटवर्क के जरिए नकद के रूप में वापस लाया गया और घोटाले में शामिल लोगों के बीच बांट दिया गया. ये 'हवाला' लिंक उत्तराखंड, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में फैले हुए हैं.इस साल 3 जून को, प्रवर्तन निदेशालय (म्व्) ने इस घोटाले के मास्टरमाइंड, डेयरी संचाल.

मणिपुर में फूड पॉइजनिंग से मचा हड़कंप, ठैथ् के 75 जवानों समेत 78 लोग अस्पताल में हुए एडमिट

मणिपुर में फूड पॉइजनिंग से मचा हड़कंप, ठैथ् के 75 जवानों समेत 78 लोग अस्पताल में हुए एडमिटमणिपुर की राजधानी इंफाल में गुरुवार को संदिग्ध फूड पॉइजनिंग के कारण सीमा सुरक्षा बल (ठैथ्) के 75 जवानों समेत तीन अन्य लोगा. को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी को उल्टी और मतली की शिकायत होने के बाद क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (त्प्डे) में भर्ती कराया गया।अधिकारियों के मुताबिक, बीएसएफ के जवानों और तीन नागरिकों को गुरुवार दोपहर करीब एक बजे अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि नाश्ता करने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी व मतली की समस्या होने लगी। त्प्डे के एक अधिकारी ने बताया कि सभी मरीजों को आपातकालीन विभाग में तत्काल उपचार दिया गया। फिलहाल, सभी की हालत स्थिर है। प्रारंभिक तौर पर उनके बीमार होने की वजह संदिग्ध फूड पॉइजनिंग मानी जा रही है।

जबरन वसूली के आरोप में दो उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने जबरन वसूली की गति. विधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस

के बयान के अनुसार, राज्य पुलिस कमांडो की टीम ने मंगलवार को इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई इलाके में अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (च्त्म्.ज्ञ) के 39 वर्षीय सक्रिय सदस्य अहोंगशांग. बाम पिंकुमणि सिंह को गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के क्वाक्ता इलाके से प्रतिबंधित कांगल. पाक कम्युनिस्ट पार्टी (वांगलेन) से जुड़े 60 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल हकीम को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक, वह इलाके में जबरन वसूली की गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल था। पुलिस ने बताया कि मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से सुरक्षा बल सभी जिलों में सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। इसके साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए गश्त भी की जा रही है। गौरतलब है कि मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी–जो समुदायों के बीच जारी जातीय संघर्ष में 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारा. लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने मणिपुर में हिंसा के फिर से भड़कने के मद्देनजर एएफएसपीए के तहत 6 महीने के लिए 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया है।

ब्ैथ् ने गोवा एयरपोर्ट पर पकड़े ब्लूटूथ से परीक्षा में नकल करने वाले डिवाइस, दो यात्री भी दबोचे गएय जानें पूरा मामला

गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट डबोलिम में बीते शनिवार को ब्ैथ् के जवानों ने घरेलू उड़ान से जाने वाले 2 यात्रियों को पकड़ा। ये यात्री कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं में नकल करने के लिए इस्तेमाल होने वाले ब्लूटूथ डिवाइस छिपाकर ले जा रहे थे। बरामद सामान के साथ दोनों यात्रियों को लोकल पुलिस के हवाले कर दिया गया और उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।3 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और 2 सिम कार्ड पकड़े गएबता दें कि शनिवार को दोपहर करीब 2.25 बजे, एक यात्री, जिसने एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट प्ग्–1340 से गोवा से दिल्ली जाने के लिए बुकिंग कराई थी, ने प्री–एम्बार्केशन सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर एक्स–रे स्क्रीनिंग के लिए अपना हैंडबैग रखा। तब ब्ैथ् के स्क्रीनर को एक्स–रे इमेज में कुछ संदिग्ध चीजें दिखीं। इसके बाद, ब्ैथ् जवान ने बैग की फिजिकल जांच के लिए आगे भेजा। फिर, तलाशी के दौरान 3 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, 2 सिम कार्ड और 3 ब्लूटूथ ईयरपीस बरामद हुए, ये वही डिवाइस थे जिनका इस्तेमाल कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं में नकल करने के लिए किया जाता है।

एग्जाम का एडमिट कार्ड भी हुआ बरामद

दरअसल, जब गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर

तैनात ब्ैथ् के जवानों ने यात्री से पूछताछ की, तो उसने माना कि ये डिवाइस एग्जाम में नकल करने के लिए थे। उसने यह भी बताया कि उसके साथ सफर कर रहा एक अन्य साथी उसी फ्लाइट में पहले ही सवार हो चुका था। फिर एयरलाइन स्टाफ की मदद से ब्ैथ् कर्मियों ने उसके साथी यात्री को विमान से नीचे उतारा। उसके हैंडबैग की तलाशी लेने पर भी वैसा ही एक डिवाइस, दो ब्लूटूथ ईयरपीस, एक सिम कार्ड और उसी दिन हुई ष्ळ गोवा नॉन–टीचिंग स्टाफ भर्ती परीक्षा में एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट पद का एक एडमिट कार्ड मिला। उसने माना कि वह डिवाइस उसी परीक्षा में इस्तेमाल के लिए था।

आरोपी ने कबूली दूसरे अभ्यर्थी की जगह एग्जाम देने की बात

इसके बाद संबंधित इंटेलिजेंस एजेंसियों के साथ दोनों आरोपियों से संयुक्त रूप से पूछताछ की गई। पहले आरोपी ने बताया कि वह किसी दूसरे उम्मीदवार की जगह उसी परीक्षा में शामिल हुआ था। इस दौरान, 2 अन्य व्यक्तियों के आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं, जिन्हें उसने सिक्योरिटी होल्ड एरिया में फेंक दिया था।पुलिस को सौंपे गए बरामद हुए डॉक्यूमेंट्सदोनों यात्रियों और बरामद किए गए सभी डिवाइस और डॉक्यूमेंट्स को डबोलिम एयरपोर्ट थाने को सौंप दिया गया। एग्जाम सेंटर पोंडा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए बाद में उन्हें वहां सौंप दिया गया। दोनों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है और लोकल पुलिस आगे की जांच कर रही है।यात्री के बैग की स्क्रीनिंग के दौरान हुई पकड़ बता दें कि ब्ैथ् देशभर के हवाई अड्डों पर एविएशन सिक्योरिटी के रूप में काम करती है। इस केस में,

महाराष्ट्रः डच्छ् अभ्यर्थियों का आंदोलन खत्म, छुट्टी पर भेजे गए अध्यक्ष भीमनवार

पुणे : महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (डच्छ्) की परीक्षाओं में कथित अनियमित. ताओं की जांच के लिए राज्य सरकार ने एक समिति गठित कर दी है. वहीं इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच को लेकर अध्यक्ष विवेक भीमनावर को छुट्टी पर भेज दिया. इसी के साथ महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों ने अपना आंदोलन खत्म कर दिया.पेपर लीक कांड को लेकर महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डच्छ्) के चेयरमैन विवेक भीमनवार के इस्तीफे की मांग को लेकर पुणे में स्टूडेंट्स पिछले 11 दिनों से प्रोटेस्ट कर रहे थे. आखिरकार विरोध सफल हो गया है. सरकार ने स्टूडेंट्स की सभी मांगें मान ली हैं. महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डच्छ्) चेयरमैन विवेक भीमनवार पेपर लीक मामले की जांच पूरी होने तक पद पर नहीं रहेंगे.सरकार ने भीमनवार को जरूरी छुट्टी पर भेज दिया है. इस बीच मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले स्टूडेंट्स से बातचीत करने के लिए मौके पर गए. उन्होंने ऐलान किया कि प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स के खिलाफ दर्ज केस वापस ले लिए जाएंगे. शिवेंद्रराजे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डच्छ्) मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.एनसीपी (शरदचंद्र पवार गुट) के विधायक रोहित पवार की लीडरशिप मे स्टूडेंट्स का प्रोटेस्ट पुणे के एस.एम. जोशी ब्रिज पर 11 दिनों से चल रहा था. अब वह सफल हो गया है. जैसा कि बताया गया है, भीमनवार जांच पूरी होने तक अपने रोल से हट जाएंगे, क्योंकि सरकार ने उन्हें कम्पलसरी छुट्टी पर भेज दिया है. इस डेवलपमेंट के बाद स्टूडेंट्स ने प्रिंसिपलली प्रोटेस्ट सस्पेंड करने का फैसला किया.राज्य सरकार ने महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डच्छ्) कथित पेपर लीक केस की ज्यूडिशियल जांच की घोषणा की है. मैंने अपनी पूरी जिंदगी में हमेशा एथिक्स को प्रायोरिटी दी है. इसलिए जब तक जांच चल रही है मैंने पद पर बने रहने के बजाय छुट्टी पर जाने का फैसला किया है, भीमनवार ने एक पोस्ट में कहा, ' महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डच्छ्) की स्वायत्तता और विश्वसनीयता, साथ ही स्टूडेंट्स के हित, हमेशा से मेरी टॉप प्रायोरिटी रहे हैं और आगे भी रहेंगे.'मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने एस.एम. जोशी ब्रिज पर जमा हुए प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री उनकी मांगों पर ध्यान दे रहे हैं. उन्होंने महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डच्छ्) जांच कमेटी के सेक्रेटरी के तौर पर तेज–तर्रार ऑफिसर तुकाराम मुंढे को अपॉइंट करने के बारे में भी एक अहम घोषणा की. शिवेंद्रराजे ने सरकार का ड्राफ्ट प्रपोजल रोहित पवार को सौंपा, जिन्होंने इसे स्टूडेंट्स को पढ़कर सुनाया.लेकिन ड्राफ्ट में चेयरमैन विवेक भीमनवार के इस्तीफे का कोई जिक्र नहीं था. इसलिए रो. हित पवार ने भीमनवार के इस्तीफे की मांग की. यह मांग खुद स्टूडेंट्स ने भी दोहराई. इसके बाद सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया. भीमनवार को जांच पूरी होने तक जरूरी छुट्टी पर भेज दिया गया है.

आरक्षित सीट को लेकर विवाद, मारपीट में शख्स की मौत, रिटायर्ड प्ै अधिकारी और बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आरक्षित सीट पर बैठने को लेकर हुई मारपीट में एक यात्री की मौत हो गई. दिल्ली मेट्रो पुलिस ने इस मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी संजय प्रताप सिंह (65) व उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह (36) को गिरफ्तार किया है. मेट्रो पुलिस के मुताबिक दोना. आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. मामले में आगे की जांच जारी है.दिल्ली मेट्रो पुलिस के डीसीपी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक घटना 8 अक्टूबर की शाम करीब 5.47 बजे की है. सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर–1 पर एक व्यक्ति के बेहोश होने की सूचना पुलिस को मिली थी. पुलिस को पता चला कि संबंधित व्यक्ति को उसकी मां के साथ लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया है. अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को जानकारी मिली कि उसे मृत अवस्था में लाया गया था. चिकित्सक उसे मृत घोषित कर चुके हैं. मृतक की पहचान 48 वर्षीय पवन शर्मा के रूप में हुई.मंडी हाउस स्टेशन से ट्रेन में चढ़े थे आरोपीपुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया कि वन शर्मा अपनी करीब 65 वर्षीय मां दुर्गा देवी के साथ यमुना विहार जा रहे थे. दोनों मेट्रो ट्रेन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निर्धारित सीटों पर बैठे थे. इसी दौरान मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन से संजय प्रताप सिंह और उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह मेट्रो में सवार हुए. पुलिस के अनुसार आरक्षित सीट को लेकर पवन शर्मा और दोनों आरोपियों के बीच विवाद हुआ. आरोप है कि कहासुनी बढ़ने के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया. ट्रेन के सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पहुंचने पर पवन शर्मा बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया.मां के बयान पर दर्ज हुई प्राथमिकी दिल्ली मेट्रो पुलिस के मुताबिक मृतक की मां दुर्गा देवी के बयान के आधार पर 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट मेट्रो थाने में एफआईआर दर्ज की गई. इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 3(5) लगाई गई हैं. धारा 105 गैर इरादतन हत्या से संबंधित है, जबकि धारा 3(5) साझा मंशा के तहत किए गए कृत्य से जुड़ी है.जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के अनुसार संजय प्रताप सिंह वर्ष 1984 बैच के एजीएमयूटी कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं और नोएडा के सेक्टर–44 में रहते हैं. उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह दिल्ली में वकालत करते हैं और नोएडा के सेक्टर–50 के निवासी हैं.पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है. विवाद की परिस्थितियों और यात्री की मौत से जुड़े सभी पहलुओं

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

जंगली हाथियों के झुंड को दौड़ाकर पीटते दिखे युवक,

ओडिशा के क्योंझर जिले से एक चिंताजनक वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ युवक जंगली हाथियों के एक बड़े झुंड के पीछे दौड़ते और उन्हें मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटना ने एक बार फिर जंगलों के आसपास रहने वाले लोगों और जंगली जानवरों के बीच बढ़ते टकराव के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है।जानकारी के अनुसार, हाथियों का यह झुंड करीब 25 हाथियों का था। बताया जा रहा है कि यह घटना चंपुआ वन क्षेत्र के अंतर्गत मंगलपुर गांव के पास हुई। हाथियों का झुंड पहले कसीपाल जंगल में मौजूद था। इसके बाद वह पास के आबादी वाले इलाके की ओर बढ़ने लगा। बताया जा रहा है कि हाथियों का झुंड जब गांव के पास सड़क की ओर पहुंचा, तो कुछ युवक जंगल के आसपास इकट्ठा हो गए। आरोप है कि उन्होंने हाथियों को वहां से भगाने के लिए लाठियों का इस्तेमाल किया और तेज आवाजें निकालकर उन्हें डराने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ युवक हाथियों के पीछे दौड़ते और उन्हें मारते हुए दिखाई दिए।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन्यजीव प्रेमियों और आम लोगों ने चिंता जताई है। हालांकि, वन विभाग की ओर से इस घटना पर की गई कार्रवाई या हाथियों को किसी तरह की चोट लगने की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। जंगली हाथियों के पास जाना या उन्हें डराकर भगाने की कोशिश करना लोगों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। जब हाथियों को लगता है कि उन्हें खतरा है, तो वे अचानक आक्रामक हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में आसपास मौजूद लोगों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। इसके अलावा, हाथियों को दौड़ाने, घेरने या मारने से वे घायल हो सकते हैं और उनका सामान्य रास्ता भी प्रभावित हो सकता है। खासकर जब झुंड में बड़ी संख्या में हाथी हों, तो उनके करीब जाने से बचना बेहद जरूरी है। आपको बता दें कि इससे पहले ओडिशा से अंगुल जिले में हाथी को भगाने गए वनकर्मी पर हाथी ने हमला कर दिया था। कर्मचारी ने किसी तरह पास के एक आम के पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई।वन विभाग की ओर से लोगों को सलाहवन विभाग की ओर से लोगों को लगातार सलाह दी जाती है कि जंगली हाथियों के पास न जाएं, उनका पीछा न करें और उन्हें चारों तरफ से घेरने की कोशिश न करें। यदि हाथियों का झुंड गांव, सड़क या आबादी वाले इलाके के पास दिखाई देता है, तो लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखनी चाहिए और इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को देनी चाहिए। खुद लाठी, शोर या दूसरे तरीकों से हाथियों को भगाने की को. शिश नहीं करनी चाहिए। समय पर वन विभाग को सूचना मिलने से हाथियों पर नजर रखने और लोगों को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

10 अक्टूबर को ब्ध्च च्वजमेज की अनुमति क्यों नहीं दी? दिल्ली के पुलिस कमिश्नर ने ैड को बताया, जानें क्या कहा

दिल्ली के जंतर मंतर पर 10 अक्टूबर के ब्ध्च मार्च पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। ब्ध्च के 10 अक्टूबर के मार्च की अनुमति नहीं देने के फैसले का बचाव करते हुए पुलिस कमिश्नर ने कहा है, कानून–व्यवस्था बनाए रखने और जान–माल की सुरक्षा के लिए ये कदम उठाना जरूरी था। पुलिस ने दावा किया है कि ब्ध्च के पुराने प्रदर्शनों में हिंसा, संपत्ति को नुकसान और लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी में कानून–व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती थी।

जुलाई में हुए मार्च को लेकर पुलिस ने किया दावा

पुलिस ने 20 जुलाई को छम्म्–ल्ल पेपर लीक के मुद्दे पर निकाले गए ब्ध्च के 'चलो संसद' मार्च को अनधिकृत, गैरकानूनी और अवैध बताया है और आरोप लगाया कि जुलाई के मार्च में गैरकानूनी जमावड़ा हुआ था और उस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले किए गए थे। पुलिस ने दावा किया, जुलाई में हुए इस विरोध प्रदर्शन में 240 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और कर्मचारी घायल हुए थे। पुलिस ने दावों के समर्थन में तस्वीरें, वीडियो और अन्य सामग्री का हवाला दिया।जून के प्रदर्शन को लेकर दिए गए आश्वासन का जिक्रपुलिस के मुताबिक, ब्ध्च ने जून में हुए प्रदर्शन के लिए लिखित आश्वासन दिया था और आश्वासन था कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा और इसमें 1,000 से ज्यादा लोग शामिल नहीं होंगे। बिना पूर्व अनुमति संसद की ओर मार्च नहीं निकालने की भी दी गई थी सहमति, बाद में आश्वासन और निर्धारित शर्तों का उल्लंघन किया गया। पुलिस ने कोर्ट में दिए गए हलफनामे में 20 जुलाई के कथित अनधिकृत मार्च को 10 अक्टूबर को अनुमति नहीं देने का बताया आधार और 6, 7 और 8 अक्टूबर के प्रदर्शनों का भी हवाला दिया।पुलिस ने बताया–मार्च की वजह से लोगों को परेशानी हुईपुलिस के मुताबिक, 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च निकाला गया था, 7 अक्टूबर को जनपथ से जंतर–मंतर तक मार्च हुआ, 8 अक्टूबर को कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल से राजघाट की ओर प्रदर्शन किया गया। पुलिस प्रदर्शनों के कारण सेंट्रल दिल्ली में घंटों यातायात बाधित रहा। छात्रों और दूसरे यात्रियों को परेशानी हुई, कुछ लोग ट्रेन और फ्लाइट तक नहीं पकड़ सके। पुलिस ने आरोप लगाया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया। महिला पुलिस अधिकारियों के साथ बदसलूकी की, इन प्रदर्शनों में एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए।10 अक्टूबर के मार्च को लेकर पुलिस की आशंकापुलिस कमिश्नर ने बताया, जुलाई की घटना और

'यूपी में माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में, कब्जाई जमीनों पर गरीबों के लिए बनेंगी हवेलियां'

वाराणसी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सरकार निर्माण समेत बड़े कार्य कर सकती है, लेकिन उसके संरक्षण और सुरक्षा की जिम्मेदारी जागरूक समाज व जनता की होती है.यदि जनता जागरूक नहीं है तो बड़े से बड़े निर्माण को भी धराशायी होने में देर नहीं लगती.

प्रयागराज का दिया उदाहरण: सीएम ने कहा प्रयागराज में माफिया ने जमीन पर कब्जा कर लिया था, उसे खाली कराकर सरकार गरीबों, दलितों, वंचितों के लिए हाईराइज बिल्डिंग बनाने जा रही है. यूपी में माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में है और कब्जाई गई जमीनों पर गरीबों के लिए हवेलियां बनेंगी.कार्यक्रम क्या था: मुख्यमंत्री ने गुरुवार को स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में नगर निगम व जल निगम के स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया.उन्होंने स्वच्छता मित्रों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें भोजन भी परोसा.कबीरचौरा स्थित सरोजा पैलेस में आयोजित इस समारोह में जन–कल्याणकारी कार्यों के संदर्भ में लघु फिल्म भी दिखाई गई.मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता मित्र स्थानीय सांसद एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता पीएम नरेन्द्र मोदी जी के 'स्वच्छ काशी' मिशन को धरातल पर उतार रहे हैं.स्वच्छता मित्र सम्मान समारोहस्वच्छता कर्मी नींव के पत्थर हैं, जो दिखते नहीं हैं, लेकिन इमारत इसी पर खड़ी होती है. सर्दी, गर्मी, बरसात, आंधी–तूफान, त्योहार में भी स्वच्छता मित्र सड़कों पर उतरकर समाज को स्वच्छ वातावरण देते हैं. पहले आपका माहौल उत्सवमय करते हैं और अंत में अपने बच्चों का त्योहार मनवाते हैं. कुछ लोग अपने कृत्यों व कारनामों से गंदगी फैलाते हैं, लेकिन बड़ा तबका अपने पुरुषार्थ व परिश्रम से आमजन को स्वच्छ वातावरण देता है.स्वच्छता कर्मियों के कारण ही प्रयागराज महाकुंभ स्वच्छ, दिव्य–भव्य हो पाया था. वहां 66 करोड़ श्रद्धालु आए और सभी ने स्वच्छता की प्रशंसा की.– योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्रीकाशी में स्वच्छता मित्रों पर बरसे फूलस्वच्छता कर्मियों का पैसा काटने पर कार्रवाई: सीएम ने कहा कि हमने यूपी में तय किया है कि स्वच्छता कर्मियों का पैसा काटने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी.हम मानदेय की गारंटी दे रहे हैं. अब यूपी आउटसोर्स निगम काम कर रहा है.16 हजार रुपये न्यूनतम मानदेय मिलना चाहिए.ईएसआई के तहत उपचार के लिए हॉस्पिटल की सुविधा मिलनी चाहिए. कार्मिकों को सुरक्षा बीमा मिलेगा, ताकि हादसे पर परिवार के लोग लाचार न हों, पीएफ भी कटेगा. सेवानिवृत्त होने पर उसके पास खुद की पूंजी होगी और बैंक से इस पर ब्याज भी मिलेगा, जिससे वह बच्चों पर आश्रित नहीं होगा.

गोरखपुर में 1100 कन्याओं का पूजनय साध्वी निरंजन ज्योति बोलीं– ''बेटी है तो कल है''

गोरखपुर : शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व में कन्याओं के पूजन का बड़ा महत्व है. गोरखपुर में गुरुवार को 1100 कन्याओं के पूजन का कार्यक्रम बड़े ही भव्य तरीके से आयोजित किया गया. कार्यकम में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व पिछड़ा आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति रहीं. उन्होंने एक–एक कर कन्याओं की आरती की.इस दौरान पूरा पंडाल बेटियों और उनके माताओं की मौजूदगी से खचाखच भरा था. मां दुर्गा के गीत, भजन और आरती से पूरा माहौल भक्तिमय बना हुआ था. इस आयोजन में गोरखपुर बीजेपी महिला संगठनों से जुड़ी हुई महिला नेत्री, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी सभी ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया.मीडिया से बात करते हुए साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि नवरात्रि में कन्याओं का पूजन इसलिये होता है व्यक्ति को समृद्धि चाहिये, सफलता चाहिये, शक्ति चाहिये. उन्होंने कहा कि मैं मानती हूं कि यह गोरक्षपीठ का प्रांगण है जहां से सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुमंगला योजना चलाई.गोरखपुर में 1100 कन्याओं का पूजन

गोरखपुर में 1100 कन्याओं का पूजन (चैवजव बतमकपजः म्जट ठींतंज)

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुकन्या समृद्धि योजना चलाई. उन्होंने कहा कि बेटी है तो कल है, क्योंकि बेटी के बिना सृष्टि नहीं हो सकती. इसलिये कन्या पूजन हम लोग कन्याओं की समृद्धि, कन्याओं को वृद्धि हो. उन्होंने कहा कि एक समय था 2014 के पहले देश के अंदर बेटियों का अनुपात कम हो रहा था.गोरखपुर में 1100 कन्याओं का पूजनगोरखपुर में 1100 कन्याओं का पूजन (चैवजव बतमकपजः म्जट ठींतंज)उन्होंने कहा कि हरियाणा में उससे ज्यादा कम हो गया था. पीएम मोदी ने जब से सुकन्या समृद्धि योजना चलाई, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जब दिया तो आज कन्याएं, मैं तो मानती हूं कि कन्या आज बड़ी होती है कोई क्षेत्र ऐसा खाली नहीं है जहां उसका प्रतिनिधित्व न हो.गोरखपुर में 1100 कन्याओं का पूजन

गोरखपुर में 1100 कन्याओं का पूजन (चैवजव बतमकपजः म्जट ठींतंज)

उन्होंने कहा कि चाहे प्लेन चलाने की बात हो या ट्रेन, वह हर जगह हम आगे ही दिखाई देती हैं. उन्होंने कहा कि कल का वह देश का भविष्य हैं, इसलिए ऐसे आयोजकर्ताओं को मैं बहुत–बहुत बधाई भी देना चाहूंगी जिन्होंने इतना सुंदर और भव्य आयोजन किया.कार्यक्रम के आयोजक बृजेश मणि मिश्र ने बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश जी और गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी कमलनाथ भी शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने कन्याओं की आरती उतारी और उन्हें चुनरी ओढ़ाया.उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृत में नारी शक्ति के सम्मान, श्रद्धा और सामाजिक समरसता के भाव को सशक्त करना रहा है. सनातन परंपरा में कन्याओं को मां दुर्गा और मां सरस्वती का स दौरान उन्होंने कन्याओं की आरती उतारी और उन्हें चुनरी ओढ़ाया.उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृत में नारी शक्ति के स्वरूप मानकर उनकी पूजा अर्चना की जाती है.

उन्होंने बताया कि इसी भाव के साथ गोरखपुर में पहली बार 1100 कन्याओं के सामूहिक पूजन की पहल की गई. उन्होंने बताया कि इस दौरान आस–पास के विभिन्न गांवों और क्षेत्र से सामान्य एवं जरूरतमंद परिवारों की बच्चियों को शामिल किया गया था. शहर के विभिन्न मोहल्ले से भी कन्या इसमें शामिल थीं.

असम की नगांव लोकसभा सीट पर बड़ी जीत के करीब बीजेपी, कांग्रेस को तीसरे नंबर पर धकेला

गुवाहाटी: पूर्व ू अधिकारी और ठश्रच् उम्मीदवार देवाशीष शर्मा ने नगांव लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बड़ी बढ़त बना ली है। वोटों की गिनती के दौरान उन्हें 6,83,865 वोट (कुल वोटों का 50.44 प्रतिशत) मिले हैं। वहीं ।प्न्क्थ् के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल 5,14,301 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा कांग्रेस उम्मीदवार सिबामनी बोरा 1,22,085 वोटों के साथ काफी पीछे तीसरे स्थान पर हैं। बता दें कि इस चुनाव में कुल 15 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला ठश्रच्, कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (।प्न्क्थ्) के बीच है।

कड़ी सुरक्षा के बीच वोटों की गिनती

नगांव के दो केंद्रों डॉसन हायर सेकेंडरी स्कूल और गवर्नमेंट बॉयज स्कूल में वोटों की गिनती हो रही है। हर केंद्र पर 14 टेबल लगाई गई हैं। दोनों केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी तरह का जुलूस निकालने से पहले जिला प्रशासन से अनुमति लें।

नगांव सीट पर हुआ 76.19ः मतदान

बता दें कि असम की नगांव लोकसभा सीट पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था। इस दौरान कुल 76.19ः मतदान हुआ था। यह उपचुनाव तब जरूरी हो गया था, जब कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने इस्तीफा दे दिया था और इस साल की शुरुआत में ठश्रच् के टिकट पर दिसपुर से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीता था। हालांकि, इस नतीजे का संसद में सत्ता के संतुलन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि नगांव निर्वाचन क्षेत्र में 19.05 लाख मतदाता हैं, जिनमें 9.43 लाख महिलाएं और 50 थर्ड–जेंडर मतदाता शामिल हैं। ये सभी 2,312 मतदान केंद्रा.

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

नींद में बड़बड़ाना, सिर्फ एक आम आदत या किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत?

नींद में बोलना या बड़बड़ाना एक आम समस्या है, जिसे मेडिकल भाषा में 'सोमनिलोकी' कहा जाता है। इसमें व्यक्ति सोते समय कुछ शब्द बोल सकता है, अधूरे वाक्य कह सकता है या कभी-कभी जोर से चिल्ला भी सकता है। अक्सर व्यक्ति को सुबह उठने पर याद नहीं रहता कि उसने रात में क्या कहा था। आमतौर पर यह समस्या गंभीर नहीं होती, लेकिन यदि यह बार-बार हो या इसके साथ अन्य लक्षण दिखाई दें, तो इस पर ध्यान देना जरूरी है। डॉ. समीर भार्गव, मनोचिकित्सक, ध्ब्रह्म गुरुग्राम बता रहे कि ये नॉर्मल है या किसी बीमारी का संकेत। नींद में बड़बड़ाने के क्या कारण हो सकते हैं?

साइकेट्रिस्ट के अनुसार, नींद में बड़बड़ाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव, चिंता, नींद की कमी और अनियमित डेली रूटीन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। जब व्यक्ति अधिक तनाव में होता है या किसी बात को लेकर लगातार सोचता रहता है, तो उसकी नींद प्रभावित हो सकती है। इसका असर कभी-कभी नींद के दौरान बोलने के रूप में भी दिखाई देता है। इसके अलावा, बुखार, कुछ दवाओं का असर, शराब का सेवन और नींद से जुड़ी अन्य समस्याएं भी इसका कारण बन सकती हैं। बच्चों में नींद के दौरान बड़बड़ाना सामान्य है और उम्र बढ़ने के साथ यह कम भी हो सकता है।क्या यह किसी मानसिक बीमारी का संकेत है?नींद में बड़बड़ाने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति किसी मानसिक बीमारी से पीड़ित है। हालांकि, यदि इसके साथ लगातार चिंता, उदासी, चिड़चिड़ापन, डर या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना सही है। कुछ मामलों में नींद में बोलना अन्य नींद संबंधी विकारों के साथ भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि व्यक्ति सोते समय चिल्लाता है, हाथ-पैर चलाता है, डरकर उठ जाता है या अपने सपनों के अनुसार शारीरिक गतिविधियाँ करता है, तो इसकी जाँच जरूरी हो सकती है। इसके अलावा, यदि खर्राटों के साथ साँस रुकने जैसी समस्या हो, तो स्लनियमित रखना जरूरी है। वयस्कों को आमतौर पर प्रतिदिन सात से नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए। सोने से पहले मोबाइल फोन का इस्तेमाल कम करना, कैफीन का सेवन सीमित मात्रा में करना और तनाव कम करने के लिए ध्यान या गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास करना भी मददगार हो सकता हैकब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए? यदि नींद में बड़बड़ाने की समस्या अचानक शुरू हो, बार-बार होने लगे, नींद की गुणवत्ता प्रभावित करे या इसके साथ चिल्लाना, हिंसक गति, विधियां, चोट लगना अथवा दिन में अत्यधिक नींद आना जैसे लक्षण हों, तो डॉक्टर से संपर्क करें। जरूरत पड़ने पर साइकेट्रिस्ट या नींद संबंधी विकारों के विशेषज्ञ आगे की जांच की सलाह दे सकते हैं। नींद में बड़बड़ाना हमेशा किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सही दिनचर्या, पर्याप्त नींद और तनाव पर नियंत्रण से इसमें सुधार हो ीप एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें?इस समस्या को कम करने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना और सोने-जागने का समय ीप एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें?इस समस्या को कम करने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना और सोने-जागने का समय सकता है। हालांकि, लगातार बने

बालों में तेल लगाते समय ये जरूर बरतें सावधानियां, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

बालों में तेल लगाना हमारी पारंपरिक हेयर केयर रूटीन का एक अहम हिस्सा है. यह न सिर्फ रूखे बालों को मुलायम और रेशमी बनाता है, बल्कि धोते समय बालों के रेशों के बीच रगड़ को भी कम करता है. हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि तेल लगाने का तरीका भी उतना ही जरूरी है जितना कि सही तेल चुनना. इसलिए, बालों में तेल लगाते समय कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है.

बालों में तेल लगाते समय बरतने वाली सावधानियांबिना सुलझाए तेल लगाना: उलझे हुए बालों में सीधे तेल लगाने से बाल ज्यादा झड़ सकते हैं या टूट सकते हैं. इसलिए, तेल लगाने से पहले बालों को धीरे-धीरे कंघी करके सुलझा लें ताकि उनमें कोई गांठ न रहे. हमेशा बालों के सिरों से सुलझाना शुरू करें और धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ें. साथ ही, बहुत ज्यादा उलझे हुए बालों में जोर से कंघी न चलाएं.

स्कैल्प को बहुत जोर से रगड़ना: जानकारों का कहना है कि यह सोचना गलत है कि स्कैल्प की देर तक मालिश करने से तेल का असर बढ़ जाता है. उनका कहना है कि ज्यादा दबाव डालने से स्कैल्प खुरद. री हो सकती है और हल्की खरोंचें आ सकती हैं. स्कैल्प पर सीधे तेल डालने के बजाय, उंगलियों के पोरों से अलग-अलग जगहों पर थोड़ा-थोड़ा तेल लगाएं और फिर कुछ मिनटों तक गोल-गोल घुमाते हुए हल्के हाथों से मालिश करें.

बहुत ज्यादा तेल लगाना: एक्सपर्ट्स का कहना है कि बालों की पूरी लबाई में तेल लगाने से कोई खास फायदा नहीं होता है. उनका मानना ध्है कि बहुत ज्यादा तेल लगाने से स्कैल्प और बाल चिपचिपे, भारी और ऑयली हो जाते हैं, जिससे उन्हें धोने के लिए बार-बार शैम्पू करना पड़ता है. इससे बालों का कुदरती मॉइस्चर खत्म हो जाता है और स्कैल्प और भी ज्यादा रुखी हो जाती है. इसलिए, एक्सपर्ट बालों की लंबाई, मोटाई और रूखेपन के आधार पर तेल लगाने की सलाह देते हैं. वे पहले स्कैल्प पर तेल लगाने और फिर बचे हुए तेल को धीरे-धीरे बालों की लंबाई में लगाने की सलाह देते हैं. वे यह भी सुझाव देते हैं कि बालों को पूरी तरह तेल से तर-बतर करने के बजाय, बालों के सिरों पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देना बेहतर होता है.रात भर तेल लगाकर रखना: एक्सपर्ट्स का कहना है कि तेल का पूरा फायदा पाने के लिए इसे रात भर लगाकर रखने की जरूरत नहीं है. बाल धोने से कुछ देर पहले इसे लगाना ही काफी है. जिन लोगों की स्कैल्प ऑयली है, जिन्हें डैंड्रफ है या अक्सर खुजली होती है. उनके लिए रात भर तेल लगाकर रखने से समस्या और बढ़ सकती है. इसलिए, बेहतर है कि तेल को कुछ देर तक लगा रहने दें और फिर माइल्ड शैम्पू से बाल धो लें.

बहुत ज्यादा गर्म तेल लगाना: बालों में तेल लगाते समय उसे गर्म करना जरूरी नहीं है. फिर भी आप अगर गुनगुने तेल से मसाज करना चाहते हैं, तो ध्यान रखें कि तेल सिर्फ हल्का गर्म हो. बहुत ज्यादा गर्म तेल लगाने से स्कैल्प की नाजुक त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है.

हेयर ऑयल लगाने का सही तरीका: सबसे पहले, अपने बालों की उलझनें सुलझा लें. फिर, थोड़ा सा तेल लें और इसे अपनी स्कैल्प के अलग-अलग हिस्सों पर लगाएं. इसके बाद, उंगलियों के पोरों से गोल-गोल घुमाते हुए धीरे-धीरे स्कैल्प की मसाज करें. हाथों में बचे हुए तेल को बालों की लंबाई और सिरों पर लगाएं. आखिर में, इसे कुछ देर के लिए लगा रहने दें और माइल्ड शैम्पू से बाल धो लें.

(डिस्क्लेमर: यहां दी गई सेहत से जुड़ी सभी जानकारी और सुझाव सिर्फ आपकी जानकारी के लिए हैं. यह जानकारी वैज्ञानिक रिसर्च, स्टडीज और मेडिकल व हेल्थ एक्सपर्ट्स की सलाह पर आधारित है. हालांकि, इन सुझावों को अपनाने से पहले हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा रहता है.)

गठिया सिर्फ उम्र बढ़ने की निशानी नहीं, लक्षण दिखते ही कराएं इलाज, वरना बिगड़ सकती है जोड़ों की सेहत

डॉक्टर अखिलेश यादव (निदेशक ऑर्थोपेडिक्स एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, मैक्स हॉस्पिटल, वैशाली) ने बताया कि समय पर जांच होने से गठिया के प्रकार की पहचान कर सही इलाज शुरू किया जा सकता है। रूमेटॉइड आर्थराइटिस में शुरुआती इलाज जोड़ों को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद कर सकता है।जोड़ों को मजबूत कैसे बनाएंव्यायाम करें- गठिया से पीड़ित कई लोग दर्द बढ़ने के डर से फिजिकल एक्टिविटी बंद कर देते हैं। हालांकि सही एक्सरसाइज और फिजियोथेरेपी आपको दर्द में राहत पहुंचा सकती है। आप अपनी क्षमता के अनुसार पैदल चलना, स्विमिंग और साइकिल चलाना जोड़ों को एक्टिव रख सकता है। जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाले व्यायाम उपयोगी साबित होते हैं। हालांकि तेज दर्द में जबरदस्ती व्यायाम करने से बचना चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।वजन कंट्रोल रखें- घुटनों और कूल्हों के गठिया में वजन नियंत्रित रखना भी महत्वपूर्ण है। अधिक वजन के कारण इन जोड़ों पर दबाव बढ़ता है, जिससे दर्द और चलने-फिरने में परेशानी बढ़ सकती है। संतुलित आहार, नियमित शारी. रिक गतिविधि और जरूरत के अनुसार धीरे-धीरे वजन कम करना जोड़ों की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

गठिया कोई एक बीमारी नहीं, बल्कि जोड़ों को प्रभावित करने वाली कई बीमारियों का ग्रुप है। इनमें ऑस्टियोआर्थराइटिस और रूमेटॉइड आर्थराइटिस मुख्य हैं। ऑस्टियोआ र्थराइटिस में जोड़ों की संरचना धीरे-धीरे प्रभावित होती है। यह समस्या घुटनों, कूल्हों और हाथों के जोड़ों में देखी जाती है। वहीं, रूमेटॉइड आर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे सूजन, दर्द और समय के साथ जोड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। गठिया केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, यह युवाओं को भी प्रभावित कर सकता है।घुटनों में लगातार दर्द, सुबह उठने पर जोड़ों में अकड़न और सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी को अक्सर बढ़ती उम्र का सामान्य हिस्सा मानकर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये लक्षण गठिया के संकेत भी हो सकते हैं। समय पर पहचान और सही इलाज नहीं मिलने से चलने-फिरने की क्षमता और रोजमर्रा के कामकाज करना भी मुश्किल हो सकता है। लोगों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करने के लिए हर साल 12 अक्टूबर को विश्व गठिया दिवस मनाया जाता है।जोड़ों के दर्द और अकड़न को न करें नजरअंदाज

फेडरल कोर्ट ने एंथ्रोपिक की चुनौती को किया खारिज, पेंटागन अपने सिस्टम से ब्संनकम मॉडल को हटाना रखेगा जारी

हैदराबाद: पेंटागन के साथ एंथ्रोपिक के विवाद में एक नया मोड़ आया है. शुक्रवार को एक फेडरल अपील कोर्ट ने एंथ्रोपिक की उस चुनौती को खारिज कर दिया, जिसमें उसने सरकार द्वारा उसे 'सप्लाई चेन रिस्क' करार दिए जाने का विरोध किया था. इस फैसले के बाद पेंटागन अपने सिस्टम से एंथ्रोपिक के ब्संनकम मॉडल को हटाना जारी रख सकता है और रक्षा विभाग के कामों में उसके उत्पादों के इस्तेमाल पर रोक लगा सकता है.डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के लिए ै. कोर्ट ऑफ अपील्स के जजों ने पेंटागन के पक्ष में 2-1 से फैसला सुनाया. पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, "आज क सर्किट कोर्ट का फैसला डिपार्टमेंट के रुख को पूरी तरह सही ठहराता है." कंपनी और सरकार के बीच विवाद फरवरी में तब शुरू हुआ, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एंथ्रोपिक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरा. प लगाया और कंपनी को सप्लाई चेन के लिए जोखिम करार दिया.एन्थ्रोपिक के ब्म् डारियो अमोदेई ने इन चिंताओं के बावजूद पीछे हटने से इनकार कर दिया कि कंपनी के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर निगरानी या खुद से चलने वाले हथियारों से लैस ड्रोन के लिए किया जा सकता है.

यह फैसला इस गर्मी में कैलिफोर्निया में आए उस फैसले से अलग है, जिसमें एक फेडरल जज ने पाया था कि पेंटागन ने के इस्तेमाल पर अपनी राय की आलोचना करने के लिए कंपनी को सजा देकर गैर-कानूनी काम किया था.

इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन, क.ब. में दायर यह केस पेंटागन के एक अलग नियम पर केंद्रित था, जिसका इस्तेमाल करके वह ।दजीतवचपब को सप्लाई चेन के लिए जोखिम घोषित करने की कोशिश कर रहा था.

बहुमत की राय में कहा गया है कि पेंटागन के पास अपने कदमों के लिए पर्याप्त आधार था. इसमें यह भी बताया गया है कि खुद एंथ्रोपिक ने माना है कि "कंपनी ब्संनकम में ऐसी पाबंदियां लगाती है, जो मॉडल को उन कामों को करने से रोकती हैं, जिन्हें एंथ्रोपिक नहीं होने देना चाहता. "जज ग्रेगरी जी. कत्सास ने बहुमत की राय में लिखा कि, "विभाग को उचित रूप से यह आशंका थी कि एंथ्रोपिक, ब्संनकम के डिजाइन में हेर-फेर कर सकता है, ताकि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े वे काम करने से रोका जा सके, जिन्हें विभाग अनुबंध के तहत अधिकृत और जरूरी मानता है."बहुमत बनाने वाले काटसास और जज नियोमी राव, दोनों को ही ट्रंप ने नॉमिनेट किया था. असहमति जताने वाली एकमात्र जज, करेन लेक्राफ्ट हेंडरसन को रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने नॉमिनेट किया था.

जजों ने कहा कि उन्हें इस बात पर शक करने की कोई वजह नहीं है कि एंथ्रोपिक, ब्संनकम पर पाबंदी लगाने में नेक इरादों के साथ काम करता है, खासकर प्राइवेसी और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के मामले में. लेकिन उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में सप्लाई चेन रिस्क की परिभाषा इस बात पर

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा का क्या है महत्व? जानिए देवी को प्रसन्न करने के उपाय

नवरात्रि के छठे दिन हम देवी कात्यायनी की पूजा करते हैं. देवताओं की मिली–जुली शक्ति से जन्मी मां कात्यायनी साहस, शक्ति और विजय की देवी प्रतीक माना जाता है. जब महिषासुर के अत्याचारों से तीनों लोक कांप उठे थे, तब सभी देवताओं के तेज से देवी कात्यायनी का प्राकट्य हुआ था.देवी कात्यायनी चार भुजाओं वाली देवी हैं. उनका ऊपर का दाहिना हाथ 'अभय मुद्रा' में है, और नीचे का दाहिना हाथ 'वर मुद्रा' में है. उनके ऊपर के बाएं हाथ में एक तलवार है, जबकि नीचे के बाएं हाथ में एक कमल का फूल सुशोभित है. उनका वाहन सिंह है. उनकी पूजा करने से दृढ़ निश्चय बढ़ता है और सुरक्षा मिलती है, जिससे व्यक्ति मुश्किलों को पार कर पाता है.

इस खबर में, हम देवी कात्यायनी के महत्व और स्लेटी रंग के प्रतीकात्मक अर्थ के बारे में जानेंगे. हम यह भी समझेंगे कि उनका आशीर्वाद हमारे जीवन में किस प्रकार शक्ति, स्पष्टता और विजय लाता है.

देवी कात्यायनी कौन हैं?

देवी कात्यायनी मूल रूप से माता दुर्गा का एक अत्यंत तेजस्वी, शक्तिशाली और योद्धा स्वरूप हैं. राक्षस महिषासुर का वध करने के कारण उन्हें 'महिषासुरमर्दिनी' के नाम से भी जाना जाता है, और नवरात्रि के छठे दिन विशेष रूप से उनकी पूजा की जाती है. देवी का यह रूप साहस, धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है.

हिंदू पौराणिक कथाओं क अनुसार, माता कात्यायनी का जन्म ऋषि कात्यायन के यहां हुआ था. इसीलिए उनका नाम 'कात्यायनी' पड़ा. राक्षस महिषासुर, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी दोनों जगह आतंक मचा रखा था, उसे पराजित करने के लिए देवताओं की सम्मिलित ऊर्जा से माता कात्यायनी का सृजन हुआ था. माता कात्यायनी अपनी शक्ति, वीरता और धर्म के प्रति निष्ठा के लिए पूजनीय हैं. नवरात्रि के छठे दिन उनकी पूजा करने से भक्तों में दृढ़ संकल्प और निर्भयता जैसे गुण आते हैं.

नवरात्रि के छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा का क्या महत्व है?

छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा करने से मन में दृढ़ संकल्प जागृत होता है और व्यक्ति हर तरह की बाधाओं (चाहे वे शारीरिक हों या आध्यात्मिक) पर विजय पाने में सक्षम हो जाता है. उनकी दिव्य शक्ति भक्तों को कठिन समय में अडिग रहने में मदद करती है, जिससे वे विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूती से खड़े रह पाते हैं. चाहे बाहरी चुनौतियां हों या आंतरिक संघर्ष, उनका आशीर्वाद हर बाधा को पार करने और विजयी होने की शक्ति प्रदान करता है.

देवी कात्यायनी की पूजा खतरों से सुरक्षा और बचाव के लिए भी की जाती है. वह अपने भक्तों की रक्षा करती हैं और उन्हें किसी भी ऐसे नकारात्मक प्रभाव से बचाती हैं जो सफलता के मार्ग में बाधा बन सकते हैं.धर्म और संतुलन

माता कात्यायनी धर्म और सत्य का साक्षात स्वरूप हैं. कठिन या अस्त–व्यस्त स्थितियों में संतुलन लाने और भ्रम के समय में सामंजस्य बहाल करने के लिए उनकी पूजा की जाती है. इस दिन उनकी पूजा करने से भक्तों को अपने नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़े रहने की प्रेरणा मिलती है, जिससे वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपना संतुलन बनाए रख पाते हैं.

विवाह की बाधाओं का निवारण

माता कात्यायनी की पूजा विवाह से जुड़ी बाधाओं को दूर करने में सहायक होती है. माना जाता है कि ब्रज की गोपियों ने भगवान कृष्ण को अपने पति के रूप में पाने की कामना से उनकी पूजा की थी.

देवी कात्यायनी के संदर्भ में स्लेटी या ग्रे रंग का क्या है महत्व?

नवरात्रि के छठे दिन से जुड़ा स्लेटी रंग (ग्रे) संतुलन, बुद्धिमत्ता और स्थिरता का प्रतीक है. यह देवी कात्यायनी की उस ऊर्जा को दर्शाता है, जिसमें उनके कार्यों में तीव्रता और शांति, दोनों का समावेश होता है. एक तटस्थ रंग होने के नाते, स्लेटी रंग भावनात्मक स्थिरता और चुनौतियों के बीच भी स्पष्ट सोच बनाए रखने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है.

छठे दिन स्लेटी रंग पहनने से भक्तों को जमीन से जुड़े रहने और अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने में मदद मिलती है. इससे वे अपनी समस्याओं का सामना स्पष्टता और विवेक के साथ कर पाते हैं. यह रंग तार्किक सोच और संतुलित निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि देवी कात्यायनी के प्रति की गई भक्ति में न केवल शक्ति हो, बल्कि बुद्धिमत्ता भी शामिल हो.पूजा के छठे दिन कैसे करें देवी को प्रसन्नअपने दिन की शुरुआत देवी कात्यायनी की प्रार्थना से करें. उनके मंत्रों का जाप करें, जैसे "ऽ कात्यायनी नमः," या उनकी स्तुति में भजन गाएं. उनके रौद्र रूप का ध्यान करें और उनसे सुरक्षा तथा आशीर्वाद मांगें. देवी कात्यायनी को सफेद फूल अर्पित करें और ग्रे रंग के वस्त्र पहनें. अंधकार पर प्रकाश की विजय के

नवरात्रि 2026: उपवास के दौरान क्या करें और क्या न करें, एक्सपर्ट से जानिए

नवरात्रि के व्रत के नियम इलाके और लोगों के रीति–रिवाजों के हिसाब से अलग–अलग हो सकते हैं. इसलिए, अपनी मान्यताओं और मूल्यों के अनुसार रीति–रिवाजों...

छंअतंजतप 2026ः क्वे दक कवद'जे कनतपदह जीम जि , पिदक वनज तिवउ म•चमतजे.

नवरात्रि 2026: उपवास के दौरान क्या करें और क्या न करें, एक्सपर्ट से जानिए (ळ्म्ळ्ए प्ड ।ळ्रै)

'नजीवत पउह

उत म््ट ठीतंज स्पमिजलसम ज्मंउ

न्इसपीमक : व्बजवइमत 14, 2026

'ज 3:13 च्ड प्ैज्7 डपद त्मंकबिवबेम

म््ट ठीतंजनवरात्रि हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है. इसे पूरे देश में बहुत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. इन नौ दिनों में भक्त देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं, और हर दिन उनके एक खास रूप को समर्पित होता है. यह समय भक्तों को प्रार्थना, उपवास और आत्म–चिंतन के जरिए अपने मन और हृदय को शुद्ध करने का मौका देता है. यह त्योहार नृत्य, संगीत और रंग–बिरंगे पहनावे के जरिए लोगों को एक साथ लाता है, जिसमें गरबा और डांडिया जैसे लोकप्रिय पारंपरिक नृत्य शामिल होते हैं. यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि बुराई चाहे कितनी भी बड़ी हो, जीत हमेशा अच्छाई और सच्चाई की ही होती है.नवरात्रि एक पवित्र त्योहार है जो धार्मिक सीमाओं से परे है और इंसानियत, आंतरिक शक्ति और सामाजिक एकता का संदेश देता है. यह त्योहार सिर्फ नौ दिनों की पूजा–अर्चना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह हर व्यक्ति को आत्म–चिंतन और खुद को बेहतर बनाने का मौका भी देता है. यही वजह है कि भारत और दुनिया भर में हिंदुओं के लिए यह एक बहुत ही प्रिय और महत्वपूर्ण त्योहार है. नवरात्रि में व्रत रखना एक आम परंपरा है, जिसमें कुछ खास तरह के खाने–पीने से परहेज किया जाता है और कुछ नियमों का पालन किया जाता है. आइए जानते हैं कि इस आध्यात्मिक और मन को शुद्ध करने वाले अनुभव का पूरा लाभ उठाने के लिए नवरात्रि के व्रत के दौरान क्या करना चाहिए और किन चीजों से बचना चाहिए...

नवरात्रि के उपवास के दौरान क्या करेंभक्ति और प्रार्थनाः नवरात्रि के दौरान उपवास का मुख्य उद्देश्य देवी दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करना और उनके प्रति भक्ति प्रकट करना है. अपने दिन की शुरुआत प्रार्थना से करें, मंदिरों में जाएं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लें.

सात्विक भोजन करें: उपवास के दौरान सात्विक भोजन करना आवश्यक है. इनमें ताजे फल, सब्जियां, डेयरी उत्पाद, मेवे और साबुत अनाज शामिल हैं. सुनिश्चित करें कि सामग्री ताजी हो और प्रोसेस्ड न हो.हाइड्रेटेड रहेंः व्रत रखने से डिहाइड्रेशन हो सकती है. इसलिए, हाइड्रेटेड रहने के लिए खूब पानी और हर्बल चाय पिएं. आप सीमित मात्रा में दूध और फलों का रस भी ले सकते हैं.

सेंधा नमक का इस्तेमाल करें: नवरात्रि के व्रत में आम तौर पर रेगुलर टेबल सॉल्ट नहीं खाया जाता है. इसकी जगह खाने में सेंधा नमक का इस्तेमाल करें.

ध्यान से खाना बनाएंः खाना बनाते समय किचन में साफ–सफाई और पवित्रता बनाए रखें. श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ खाना बनाएं.

फल खाकर व्रत खोलेंः पारंपरिक रूप से व्रत फल खाकर खोला जाता है. इससे दिन भर व्रत रखने के बाद पेट को ठोस खाना पचाने में आसानी होती है.

प्रसाद चढ़ाएंः प्रसाद बनाना और चढ़ाना नवरात्रि का एक अहम हिस्सा है. माना जाता है कि देवी को प्रसाद चढ़ाने और फिर उसे खाने से भक्त को आशीर्वाद मिलता है.

ध्यान और मंत्र जापः शारीरिक व्रत के साथ–साथ नकारात्मक विचारों से भी दूर रहें. मन को शांत और एकाग्र रखने के लिए ध्यान, मंत्र जाप और दूसरी आध्यात्मिक गतिविधियों में शामिल हों.

साफ–सफाई बनाए रखेंः अपने आस–पास की जगह, खासकर पूजा स्थल को साफ और व्यवस्थित रखें. नवरात्रि में भक्ति के लिए साफ–सफाई को बहुत जरूरी माना जाता है.

दान और सेवाः नवरात्रि दान और सेवा के काम करने का बहुत अच्छा समय है।. दान, स्वयंसेवा या किसी भी तरह की सेवा के जरिए दूसरों की भलाई में योगदान दें.

नवरात्रि के व्रत में क्या न करें

अनाज और दालें: नवरात्रि के पारंपरिक व्रत में गेहूं, चावल और दालें जैसे अनाज और दालें नहीं खाई जाती हैं. इनकी जगह कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा और राजगिरा जैसे विकल्प इस्तेमाल किए जाते हैं.

प्याज और लहसुनः बहुत से लोग नवरात्रि के व्रत में प्याज और लहसुन नहीं खाते हैं, क्योंकि माना जाता है कि इनसे जुनून बढ़ता है और मन सुस्त हो जाता है.

मांसाहारी भोजनः नवरात्रि के दौरान मांस, मछली और अंडे समेत किसी भी तरह का मांसाहारी भोजन पूरी तरह से वर्जित है.

शराब और स्मोकिंगः व्रत के दौरान किसी भी रूप में शराब और तंबाकू का सेवन करने की मनाही है.

प्रोसेस्ड और पैक्ड फूडः ज्यादा प्रोसेस किए गए या पैकेट में मिलने वाले खाने से बचना चाहिए. इसकी जगह ताजा और घर पर बने खाने को चुनें.

आयोडीन वाला नमकः आम टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल नवरात्रि के व्रत में नहीं किया जाता है. इसकी जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल करें.

ज्यादा मसाले और तेलः खाना बनाते समय ज्यादा मसाले और तेल का इस्तेमाल न करें. सादा और कम मसाले वाला खाना बेहतर होता है.

सफेद चीनीः सफेद चीनी को अशुद्ध माना जाता है और व्रत के दौरान इसके इस्तेमाल से बचने की सलाह दी जाती है. इसकी जगह गुड़ या शहद का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें

बिना सोचे–समझे ज्यादा खानाः व्रत का मतलब यह नहीं है कि आप तली–भुनी और मीठी चीजें ज्यादा खाएं. खाने–पीने में संयम और नियंत्रण रखें.

नकारात्मक सोच और व्यवहारः नवरात्रि का व्रत सिर्फ खाने से परहेज करना नहीं है, बल्कि नकारात्मक सोच, बातचीत और व्यवहार से भी दूर रहना है. सकारात्मकता और दयालुता अपनाएं.

ध्यान देने वाली बात

नवरात्रि के व्रत के नियम इलाके और लोगों के रीति–रिवाजों के हिसाब से अलग–अलग हो सकते हैं. इसलिए, अपनी मान्यताओं और मूल्यों के अनुसार रीति–रिवाजों का पालन करना जरूरी है. अगर आपके मन में कोई खास सवाल है या व्रत के नियमों को लेकर कोई उलझन है, तो किसी पंडित या जानकार व्यक्ति से सलाह लेना बेहतर होगा. नवरात्रि का व्रत आध्यात्मिक रूप से बहुत अहम समय होता है. यह ईश्वर से जुड़ने, शरीर और मन को शुद्ध करने और कृतज्ञता व भक्ति की भावना जगाने का समय है. नवरात्रि के व्रत के नियमों का पालन करके, आप इस पवित्र समय का पूरा लाभ उठा सकते हैं और इसके गहरे आध्यात्मिक फायदों का अनुभव कर सकते हैं.

वरात्रि के व्रत में क्या न करें

अनाज और दालें: नवरात्रि के पारंपरिक व्रत में गेहूं, चावल और दालें जैसे अनाज और दालें नहीं खाई जाती हैं. इनकी जगह कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा और राजगिरा जैसे विकल्प इस्तेमाल किए जाते हैं.

प्याज और लहसुनः बहुत से लोग नवरात्रि के व्रत में प्याज और लहसुन नहीं खाते हैं, क्योंकि माना जाता है कि इनसे जुनून बढ़ता है और मन सुस्त हो जाता है.

मांसाहारी भोजनः नवरात्रि के दौरान मांस, मछली और अंडे समेत किसी भी तरह का मांसाहारी भोजन पूरी तरह से वर्जित है.

शराब और स्मोकिंगः व्रत के दौरान किसी भी रूप में शराब और तंबाकू का सेवन करने की मनाही है.

प्रोसेस्ड और पैक्ड फूडः ज्यादा प्रोसेस किए गए या पैकेट में मिलने वाले खाने से बचना चाहिए. इसकी जगह ताजा और घर पर बने खाने को चुनें.

आयोडीन वाला नमकः आम टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल नवरात्रि के व्रत में नहीं किया जाता है. इसकी जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल करें.

ज्यादा मसाले और तेलः खाना बनाते समय ज्यादा मसाले और तेल का इस्तेमाल न करें. सादा और कम मसाले वाला खाना बेहतर होता है.

सफेद चीनीः सफेद चीनी को अशुद्ध माना जाता है और व्रत के दौरान इसके इस्तेमाल से बचने की सलाह दी जाती है. इसकी जगह गुड़ या शहद का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें

बिना सोचे–समझे ज्यादा खानाः व्रत का मतलब यह नहीं है कि आप तली–भुनी और मीठी चीजें ज्यादा खाएं. खाने–पीने में संयम और नियंत्रण रखें.

नकारात्मक सोच और व्यवहारः नवरात्रि का व्रत सिर्फ खाने से परहेज (डिस्क्लेमरः धर्म, ज्योतिष, वास्तु, फेंगशुई आदि पर आधारित यह लेख केवल पाठकों की जानकारी के लिए है. इससे जुड़ी किसी भी प्रक्रिया को आजमाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है. हमारा मकसद सिर्फ पाठकों को जानकारी देना है, म््ट भारत इन तथ्यों की पुष्टि नहीं करता है.)

क्या आप भी फैटी लिवर डिजीज से हैं परेशान? तो इसे नेचुरली कंट्रोल में रखने के लिए ये चीजें खाएं

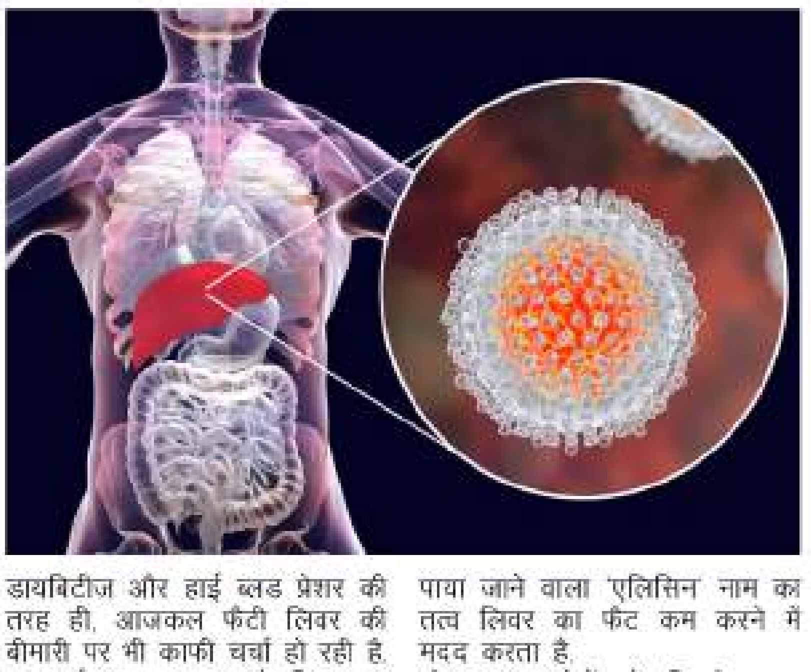

डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की तरह ही, आजकल फैटी लिवर की बीमारी पर भी काफी चर्चा हो रही है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुस्त जीवनशैली, खान–पान की आदतें, मोटापा और बहुत ज्यादा शराब पीना इस बीमारी के मुख्य कारण हैं. इस बीमारी का सही समय इलाज न होने पर लिवर को काफी नुकसान पहुंच सकता है. फैटी लिवर की बीमारी को कंट्रोल करने में खान–पान की अहम भूमिका होती है. ऐसे में आइए इस खबर में जानते हैं कि लिवर को स्वस्थ रखने और इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए किस तरह का खाना खाना चाहिए...लहसुनः जानकारों का कहना है कि यह लिवर में फैट जमा होने से रोकता है. साइंसडायरेक्ट के अनुसार, रोजाना थोड़ी मात्रा में कच्चा लहसुन खाने या इसे खाने में शामिल करने से लिवर की सेहत अच्छी रहती है. लहसुन में पाया जाने वाला 'एलिसिन' नाम का तत्व लिवर का फैट कम करने में मदद करता है.

टोफूः यह पौधों से मिलने वाला प्रोटीन है. जानकारों का कहना है कि इसमें फैट कम होता है और यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में मददगार माना जाता है. टोफू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर की सूजन को कम करने और सेल्स को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं.

कॉफीः कई स्टडीज से पता चला है कि कॉफी पीने से लिवर एंजाइम का लेवल कम होता है और सूजन भी घटती है. जानकारों का कहना है कि कॉफी में मौजूद कैफीन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ता है. रोजाना दो से तीन कप कॉफी पीने से लिवर फाइब्रोसिस और सिरोसिस का खतरा कम हो सकता है. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, रोजाना दो कप कॉफी पीने से लिवर कैंसर का खतरा 43 फीसदी तक कम हो सकता है.

ग्रीन टीः जानकारों का कहना है कि इसमें 'कैटेचिन' (बंजमबीपदे) नाम के शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. ये न सिर्फ लिवर की चर्बी कम करते हैं, बल्कि अपने एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों की वजह से सूजन भी कम करते हैं. मायो क्लिनिक के अनुसार, ब्लैक कॉफी, ग्रीन टी और अखरोट में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण लिवर की चर्बी कम करने में मदद करते हैं.

क्रूसिफेरस सब्जियांः ब्रोकली, फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्जियां लिवर में डिटॉक्स करने वाले एंजाइम को सक्रिय करती हैं. इनमें मौजूद प्राकृतिक कंपाउंड और एंटीऑक्सीडेंट लिवर की कोशिकाओं की रक्षा करते हैं.

अखरोटः इनमें ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जानकारों का कहना है कि नियमित रूप से अखरोट खाने से फैटी लिवर की समस्या कम हो सकती है. साथ ही, ये लिवर एंजाइम के काम को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं.

एवोकाडोः इस फल में ग्लूटाथियोन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है. जानकारों के मुताबिक, यह लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है. एवोकाडो में पाए जाने वाले विटामिन ब्, ठ9 और म् के साथ–साथ ओलिक एसिड भी लिवर की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं.

बेरीजः जानकारों का कहना है कि ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये लिवर की सूजन कम करने और सेल्स की मरम्मत में मदद करते हैं.

युवराज–गांगुली के आने के बाद दिल्ली कैपिटल्स का पहला ट्रेड, तेज गेंदबाज के बदले स्पिनर को किया हासिल

: इंडियन प्रीमियर लीग (प्च्) का अगला सीजन शुरू होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स (क्) और सनराइजर्स हैदराबाद (ल्) ने बड़ी ट्रेड डील की है, जिसके तहत बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी. नटराजन अब ल्र में वापसी करेंगे, जबकि लेग–स्पिनर जीशान अंसारी क् में शामिल होंगे.
नटराजन पांच करोड़ रुपये की संशोधित फीस पर 2016 की आईपीएल चैंपियन टीम से जुड़ेंगे. उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 की नीलामी में 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि अंसारी 40 लाख रुपये की मौजूदा फीस पर ही दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होंगे.
खास बात ये है कि खिलाड़ियों की ये ट्रेड डील सौरव गांगुली और युवराज सिंह के दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ने के बाद की गई है. कुछ दिन पहले डीसी फ्रेंचाइजी ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुल को टीम का हेड कोच और पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग व सहायक कोच नियुक्त किया. इससे पहले दिल्ली ने एक और बड़ी ट्रेड डील लखनऊ से की थी, जब उन्होंने कुलदीप यादव के बदले ऋषभ पंत को अपनी टीम में शामिल किया.जीशान का प्च् प्रदर्शन26 साल के जीशान अंसारी ने प्च् 2025 में ल्र के लिए डेब्यू किया और 10 मैच खेलने का भी मौका मिला. लेकिन प्च् 2026 में उन्हें पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेंच पर ही बैठना पड़ा था. जीशान ने प्च् करियर की शानदार शुरुआत की थी और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में तीन विकेट लिए थे. उन्होंने प्च् में अब तक 10 मैचों में छह विकेट लिए हैं और उम्मीद है कि वे क् के स्पिन–गेंदबाजी विकल्पों को और मजबूत करेंगे, जिनमें पहले से ही अक्षर पटेल शामिल हैं.35 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन 2020 से 2024 तक पांच सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया है. इसी टीम के लिए खेलते हुए उन्होंने आईपीएल के सबसे प्रभावी बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाजों में अपनी पहचान बनाई थी. नटराजन का आईपीएल में सबसे सफल सीजन 2024 में रहा जब उन्होंने 19 विकेट लिए. वह उस सत्र में सनराइजर्स के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और और 10 मैच खेलने का भी मौका टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. नटराजन ने भारत के लिए एक टेस्ट और दो वनडे मैच भी खेले हैं. उन्होंने आईपीएल में 73 मैच में 72 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 19 रन पर चार विकेट है.दिल्ली को पहली ट्रॉफी का इंतजारदिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपने पहले प्च् खिताब का इंतजार है. ये टीम 2020 में केवल एक बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रही. पिछले दो सीजन में भी टीम प्लेऑफ में पहुंचने में सफल नहीं हो सकी.

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से झूमा बाजारय सेंसेक्स 1,533 अंक उछला, निफ्टी 23,000 के पार बंद

मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को जबरदस्त रौनक देखने को मिली. वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और मजबूत घरेलू सेंटिमेंट के दम पर घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स भारी बढ़त के साथ बंद हुए. इस तेजी से निवेशकों की चिंताएं काफी हद तक कम हुई हैं.
गुरुवार के कारोबारी सत्र में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,533.72 अंक की भारी बढ़त के साथ 74,315.61 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 374.65 अंक चढ़कर 22,997.35 के स्तर पर सेटल हुआ. हालांकि, निफ्टी ने इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान 23,000 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर लिया था, लेकिन क्लोजिंग बेल तक यह इससे मामूली नीचे रहा.
सेक्टर्स का हाल: प्ज् और प्राइवेट बैंकों में रही धूम
आज के कारोबार में निफ्टी के शेयरों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा मुनाफे वाले शेयर रहे. सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें तो निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी आईटी (प्ज्) इंडेक्स में सबसे ज्यादा खरीदारी देखी गई. इसके विपरीत, निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स का प्रदर्शन सबसे खराब रहा.छोटे और मझोले शेयरों पर रहा दबावमुख्य सूचकांकों में भारी तेजी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में सुस्ती रही. गुरुवार को निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.36: की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 1.31: तक टूटकर बंद हुआ.
मजबूत हुआ भारतीय रुपया
शेयर बाजार की शानदार तेजी और डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी के चलते आज भारतीय रुपये में भी मजबूती देखी गई. रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.05 के स्तर पर बंद हुआ.
निफ्टी के लिए क्या हैं महत्वपूर्ण टेक्निकल लेवल्स?
मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, निफ्टी ने आज ऊंचे स्तर पर ओपनिंग के बाद 'हायर हाई और हायर लो' का पैटर्न बनाया, जो बाजार में मजबूत खरीदारी और बुल्स की वापसी का संकेत है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, 23,000 से 23,100 का दायरा निफ्टी के लिए तत्काल रेजिस्टेंस जोन है. अगर निफ्टी इस लेवल के ऊपर टिकने में कामयाब होता है, तो बाजार में तेजी और बढ़ सकती है, जो इसे 23,300 से 23,400 के स्तर तक ले जा सकती है. नीचे की तरफ यदि निफ्टी 22,800 के स्तर को बनाए रखने में विफल रहता है, तो बाजार में दोबारा बिकवाली का दबाव दिख सकता है. ऐसी स्थिति में इंडेक्स 22,600 से 22,500 के सपोर्ट जोन तक फिसल सकता है.
बाजार विश्लेषकों का मानना है कि

विश्वजीत मोरे ने न्23 रेसलिंग वर्ल्ड चौंपियनशिप में रचा इतिहास, सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान

लास वेगास (अमेरिका): अंडर–23 रेसलिंग वर्ल्ड चौंपियनशिप में भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. गुरुवार को पुरुषों के 55ाह ग्रीको–रोमन कैटेगरी फाइनल में उन्हें जॉर्जिया के कोबा कारुमिदजे से कड़े मुकाबले में 12–13 से हार का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से विश्वजीत को सिल्वर मेडल पर ही संतोष करना पड़ा.इसके साथ वो इस चौंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय ग्रीको–रोमन पहलवान बन गए. इससे पहले वो न्23 वर्ल्ड स्तर पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके चुके थे. वो मंगलवार को न्23 वर्ल्ड चौंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको–रोमन पहलवान बने थे. उनके पास गोल्ड मेडल जीतने का शानदार मौका था, लेकिन वे फाइनल में हार गए.
विश्वजीत मोरे का चौंपियनशिप में प्रदर्शनविश्वजीत फाइनल में हारने से पहले तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10–8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की. जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के न्20 वर्ल्ड चौंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ. जिसको उन्होंने 8–1 से हरा दिया. मोरे का रूस के मलिक गिगीव के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला भी काफी करीबी था जिसमें उन्होंने 7–4 से जीत हासिल की.
अन्य भारतीय पहलवानों का प्रदर्शनचौंपियनशिप में भाग ले रहे अन्य भारतीय ग्रीको–रोमन पहलवान पदक राउंड तक नहीं पहुंच पाए. चेतन (63 किलोग्राम) प्री–क्वार्टर फाइनल में हार गए जबकि करण कंबोज (87 किलोग्राम) क्वालीफाइंग राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए. महिला वर्ग में कोमल (59 किलोग्राम) सेमीफाइनल में यूक्रेन की अललेकिन मानसी लाठर (68 किलोग्राम) इटली की लौरा गोडिनो से क्वार्टर फाइनल में 9–10 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई.ग्रीको रोमन76 किलो. ग्राम) भी कांस्य पदक की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन मानसी लाठर (68 किलोग्राम) इटली की लौरा गोडिनो से क्वार्टर ाना फिलिपोविच से हार गई और अब वह कांस्य पदक के लिए मुकाबला करेंगी. दीक्षा मलिक (76 किलोग्राम) भी कांस्य पदक की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन मानसी लाठर (68 किलोग्राम) इटली की लौरा गोडिनो से क्वार्टर फाइनल में 9–10 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई.ग्रीको रोमन कुश्ती के बारे में...ग्रीको–रोमन कुश्ती अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेली जाने वाली कुश्ती की दो प्रमुख शैलियों में से एक है. दूसरी शैली 'फ्रीस्टाइल कुश्ती' है. लेकिन ग्रीको–रोमन कुश्ती में लड़ने के नियम कुछ अलग होते हैं. जैसे इस कुश्ती में पहलवान कमर के नीचे न तो पकड़ बना सकता है और न ही पैरों का इस्तेमाल करके कोई दांव लगा सकते हैं. इसके अलावा इस कुश्ती में पहलवान शरीर के ऊपरी हिस्से (हाथ, छाती, कंधे और धड़) का इस्तेमाल करके हमला

आईटी शेयर्स में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 879 अंक उछलाय निफ्टी 22,500 के पार बंद

मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया. चौतरफा खरीदारी, आईटी (प्ज्) सेक्टर के शेयरों में आई भारी तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते घरेलू शेयर बाजार शानदार बढ़त के साथ बंद हुए.
हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (ठैम्) का सूचकांक सेंसेक्स 879.09 अंक या 1.23 फीसदी की मजबूती के साथ 72,472.33 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (छैम्) का निफ्टी 50 भी 288.65 अंक या 1.3 फीसदी उछलकर 22,520.45 के स्तर पर सफलतापूर्वक बंद होने में कामयाब रहा.बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि शुक्रवार की इस तेज रिकवरी से बाजार ने हाल ही में हुए अपने नुकसान का एक बड़ा हिस्सा वापस पा लिया है.सेक्टर्स और शेयरों का प्रदर्शन
शुक्रवार के कारोबार में दिग्गज कंपनियों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की.सबसे ज्यादा बढ़ने वाले शेयर: निफ्टी इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स, आईटीसी (प्ज्) और आयशर मोटर्स सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.
प्ज् सेक्टर में सबसे बड़ी तेजी: सभी सेक्टर्स में से निफ्टी आईटी इंडेक्स ने सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया. दूसरी तिमाही (फ2) के नतीजों की अच्छी शुरुआत और एआई (।प्) आधारित बिजनेस में बढ़ती संभावनाओं से आईटी शेयरों को बड़ा सहारा मिला.
सुस्त रहे ये सेक्टर: दूसरी तरफ, कच्चे तेल की कीमतें गिरने की वजह से निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स दबाव में रहा और यह शुक्रवार का सबसे कमजोर सेक्टर साबित हुआ.
छोटे और मझोले शेयर: छोटे और मध्यम वर्ग के शेयरों में भी अच्छा उत्साह देखा गया. निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1.56 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़कर बंद हुए.रुपया मजबूत और वैश्विक संकेतघरेलू शेयर बाजार के साथ–साथ भारतीय रुपये में भी शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली. रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 20 पैसे मजबूत होकर 96.73 के स्तर पर पहुंच गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक बातचीत की उम्मीदें बढ़ी हैं, जिससे वैश्विक बाजारों की चिंताएं कम हुई हैं.आगे क्या होगा?
बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों की नजर अब सोमवार को आने वाले देश के महंगाई (ब्च्) आंकड़ों पर रहेगी. आरबीआई (त्ठप्) द्वारा मौद्रिक नीति में किए गए हालिया बदलावों के बाद यह डेटा ब्याज दराछोटे और मझोले शेयर: छोटे और मध्यम वर्ग के शेयरों में भी अच्छा उत्साह देखा गया. निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1.56 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़कर बंद हुए.रुपया मजबूत और वैश्विक संकेतघरेलू शेयर बाजार के साथ–साथ भारतीय रुपये में भी शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली. रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 20 पैसे मजबूत होकर 96.73 के स्तर पर पहुंच गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के बाद अमेरिका और ईरान के के भविष्य के लिए बेहद अहम होगा. इसके अलावा, दूसरी तिमाही के बाकी कंपनियों के नतीजे यह तय करेंगे कि बाजार की यह तेजी आगे कितनी टिक पाएगी.

पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर

हॉकी एशियन चौंपियंस ट्रॉफी 2026 का मेजबान भारत है. इसलिए टूर्नामेंट में पाकिस्तान हॉकी टीम के भाग लेने पर शुरू से खतरा मंडरा रहा था. हालांकि पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए पाकिस्तान की भागीदारी का दावा किया था. लेकिन इसके दो दिन बाद ही पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत में खेलने से इनकार कर दिया और अपने मैच को न्यूट्रल स्थान पर कराने की मांग की थी, जिसे खारिज कर दिया गया.
पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर

न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल कर लिया है. हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश भाग लेंगे.बता दें कि मुंबई में 2008 के आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय हॉकी नही खेली गई है. पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत में 2023 एशियाई चौम्पियंस ट्रॉफी खेली थी, जिसमें छह टीमों में वह पांचवें स्थान पर रहा था. पिछले साल भारत में हुए एशिया कप और जूनियर एशिया कप में भी पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया था. जबकि भारतीय हॉकी टीम आखिरी बार 2006 में पाकिस्तान में सीरीज खेली थी.

श्वेता विजन
सच देखें । सही दिखाएं

दमदार कहानी पर लव रंजन का भरोसा बरकरार, 'पहला प्यार दूसरी बार' से फिर दिखाएंगे अपना पुराना

अंदाजः भारतीय सिनेमा नई एनर्जी को उत्साह के साथ महसूस कर रहा है, क्योंकि इंडस्ट्री में कई नए चेहरे अपनी मौजूदगी दर्ज करने के लिए तैयार हैं. इस खास पल को लीड करते हुए लव फिल्म्स अपनी अपक. मिंग यूथफुल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म पहला प्यार दूसरी बार लेकर आ रहा है. डेब्यूटेंट डायरेक्टर अनुज सैनी द्वारा डायरेक्टेड इस फिल्म को लव रंजन ने प्रोड्यूस किया है और वे इसके साथ छह यंग और नए एक्टर्स जैसे अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर को इंट्रोड्यूस कर रहे हैं.यह फिल्म देशभर में 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघर में रिलीज होने के लिए तैयार है, जिसमें दर्शक लाइट हार्टेड मॉडर्न लव, फ्रेंडशिप और रिलेशनशि प से रूबरू होंगे. फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में उसके जबरदस्त ट्रेलर को लॉन्च कर दिया है. बता दें कि ट्रेलर को हर तरफ से शानदार रिस्पांस मिल रहा है और दर्शन उसमें नजर आ रही जिंदादिली, तीखी बातचीत और रिलेटेबल टोन की तारीफ कर रहे हैं.पिछले कुछ सालों में बॉलीवुड ने कुछ ऐसे विजनरी फिल्म मेकर्स को देखा है, जिन्होंने सेफ गेम ना खेलते हुए बिना वक्त गंवाए बने–बनाए कम्फर्ट जोन को दरकिनार करते हुए रॉ एनर्जी पर दांव लगाना पसंद किया है. फिल्म मेकर और प्रोड्यूसर लव रंजन हमेशा से इस विचार के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं. पावरहाउस प्रोड्यूसर बनने से पहले लव रंजन ने महसूस किया था कि एक आउटसाइडर होना कैसा लगता है, जो इंडस्ट्री में आना चाहता है. देखा जाए तो यह उनका एक ऐसी इमोशन है जिसे उन्होंने अक्सर अपने शब्दों में सबसे अच्छे तरीके से बयां किया है. ऐसे में फिल्ममेकर ने इसके बारे में बात करते हुए कहा है, 'यह बहुत सिंपल बात है. अगर कोई मौका ही नहीं देगा, तो नए स्टार्स और डायरेक्टर्स कैसे बनेंगे? जब मैं इस शहर में किसी को नहीं जानता था, तब लोगों ने मुझ पर भरोसा करके मुझे मौका दिया था. नए टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए आपको भी दूसरों को मौका देना होगा. जब लोग मुझसे पूछते हैं कि नए लोगों के साथ काम क्यों करना है, तो मेरा जवाब होता है, क्यों नहीं? कहानियों में नए कलाक. ारों को देखना अच्छा लगता है, क्योंकि उनके साथ कोई पुरानी छवि या बोझ नहीं होता और वे कहानी की स्क्रिप्ट और उसके बहाव के हिसाब से आगे बढ़ते हैं'.उनकी यह सोच उनके पूरे करियर का खास हिस्सा रही है. इसकी शुरुआत 'प्यार का पंचनामा' के साथ हुई थी, जब फिल्ममेकर ने कई नए चेहरों को इंडस्ट्री में इंटर होने का मौका देते हुए हलचल पैदा कर दी थी. बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने अपना दम दिखाया था और इस तरह से फिल्म में मौजूद सभी नए एक्टर्स रातोंरात घर–घर में पहचाने जाने वाले चेहरे

लव रंजन की कहानी से अरिजीत सिंह के गानों तक, 5 वजहें जो 'पहला प्यार दूसरी बार' को बनाती हैं मस्ट वॉच

: हिंदी सिनेमा हाल के समय में एक खूबसूरत दौर से गुजर रहा है, क्योंकि इंडस्ट्री में नए चेहरों की एक लहर आ रही है, जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है. इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए लव फिल्म ने अपनी अपकमिंग रोमांटिक ड्रामा 'पहला प्यार दूसरी बार' को रिलीज करने की तैयारी शुरू कर दी है. इस फिल्म को डेब्यूटेंट डायरेक्टर अनुज सैनी ने डायरेक्ट किया है, जबकि लव रंजन द्वारा इसे को–प्रोड्यूस किया गया है. बता दें कि इस फिल्म के साथ मेकर्स नए अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर के जरिए नए चेहरों को लॉन्च कर रहे हैं.देशभर में 23 अक्टूबर 2026 को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार फिल्म, खुद में मॉडर्न लव, फ्रेंडशिप और रिलेशनशिप में होने वाली मजेदार उथल–पुथल को समेटे हुए है. हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के मजेदार ट्रेलर को दर्शकों ने खूब सराहा है. ऐसे में दर्शक ट्रेलर में नजर आने वाली एनर्जी, तीखी बातचीत, ऊर्जा, और कुछ ऐसे पलो की भी तारीफ कर रहे हैं जिन्हें देखते ही उन्हें कनेक्टेड महसूस हो रहा है.

ऐसे में अभी भी आपके मन में यह सवाल है कि क्या यह यंग एनर्जी से भरपूर फिल्म आपकी वॉचलिस्ट में शामिल होने लायक है कि नहीं, तो यहां डालें फिल्म को सिल्वर स्क्रीन पर जरूर देखने वाले पांच वजहों पर

एक नजर.1. द लव रंजन टचः लॉन्च कर रहे हैं नए स्टार्स

इसमें कोई दो राय नहीं है कि यंग जेनरेशन की नब्ज को लव रंजन से बेहतर कोई और समझ सकता है. उनकी यह खासियत है कि वह नए टैलेंट्स को सिर्फ पहचानते ही नहीं बल्कि उसे मौका भी देते हैं. इस तरह से देखते ही देखते वह नए चेहरे घर–घर में जाना–पहचाना नाम बन जाते हैं. उनके प्रोजेक्ट्स में अक्सर कुछ ऐसे किरदार देखने मिलते हैं, जो आम जीवन में होने वाले कॉलेज के दोस्तों की तरह लगते हैं और वह किरदार किसी आम से लगने वाले शख्स की तरह ही जिंदगी की मुश्किलों से दो चार हो रहे होते हैं.

2. नए जोड़ियों के बीच की केमिस्ट्री पुराने तरीके से कास्टिंग करने के बजाय, यह फिल्म अपने साथ बिल्कुल 6 नए चेहरों को तीन जोड़ियों के रूप में लेकर आई है. ट्रेलर में साक्षी–कुणाल, अलीशा–स्पर्श और सरगुन–तुषार को एक साथ देखना अपने आप में खास है, क्योंकि उनकी जोड़ी नेचुरल लगने के साथ कमाल की केमिस्ट्री भी पेश कर रही है. कहना होगा कि उनकी केमिस्ट्री फिल्म की जान है, जिसे दर्शक चाहकर भी नजरअंदाज नही कर सकते.

3 दिल से की गई कॉमेडी

फिल्म का ध्यान खींचने वाला टाइटल ही खुद बयां करता है कि फिल्म में किस तरह की मस्ती संग ढेर सारी उथल–पुथल भरा सफर देखने को मिलने वाला है. लव रंजन की अन्य फिल्मों की तरह इसमें भी दर्शक मॉडर्न रिलेशनशिप के साथ कॉमेडी का जबरदस्त मेल देखने वाले हैं. फिल्म अपने एंटरटेनमेंट भरे अंदाज के साथ संदेश भी देती है जिसे दर्शक हमेशा याद रखते हैं4. कमाल का थिएट्रिकल एक्सपीरियंस

यह फिल्म छोटे पर्दे पर नहीं बल्कि लोगों की भारी भीड़ के बीच खुद एन्जॉय किए जाने के लिए बनी है. यह फिल्म खुद में जबरदस्त एनर्जी लिए हुए है और इस तरह की एनर्जी सिर्फ बड़े पर्दे पर ही अच्छी तरह से महसूस की जा सकती है. फिल्म दर्शकों को हमेशा याद रहने वाला सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने वाली है, जो आप सिर्फ सिनेमा हॉल में अन्य लोगों के बीच बैठ कर हंसते हुए महसूस कर सकते हैं.

5. म्यूजिकल रियूनियन

इस फिल्म के साथ 'सोनू के टीटू की

सुपर स्टार अक्षय कुमार पहुंचे मसूरी, अपकमिंग फिल्म की जल्द होगी शूटिंग

: पहाड़ों की रानी मसूरी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार एक बार फिर अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं. मौसम खराब के बावजूद अक्षय कुमार गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे मसूरी पहुंचे. बताया जा रहा है कि वो यहां एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में आए हैं और अगले कुछ दिनों तक मसूरी व देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों में शूटिंग का कार्यक्रम प्रस्तावित है. हालांकि, उनकी तबीयत को लेकर सामने आ रही जानकारी के कारण उनके प्रशंसकों की नजरें उनके स्वास्थ्य और शूटिंग शेड्यूल पर भी टिकी हुई हैं.उन्हें वायरल संक्रमण जैसे लक्षण महसूस हुए और शूटिंग के दौरान उनकी कमर में भी तेज दर्द की शिकायत हुई. इसके बाद देहराद ून में उनके ठहरने के दौरान डॉक्टरों से उनका उपचार कराया गया. बताया जा रहा है कि मुंबई से उनके निजी चिकित्सक को भी बुलाया गया था. फिलहाल उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है और डॉक्टर उनकी सेहत पर नजर रख रहे हैं. स्वास्थ्य में सुधार के बाद अक्षय कुमार अब मसूरी पहुंच गए हैं. बताया जा रहा है कि वह यहां एक पांच सितारा होटल में ठहरे हैं और फिलहाल आराम कर रहे हैं.उनके साथ फिल्म से जुड़े अन्य लोगों और कुछ सेलिब्रिटी के भी मसूरी पहुंचने की संभावना जताई जा रही है. हालांकि, उनके साथ आए लोगों और शूटिंग के सटीक कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है. गुरुवार सुबह फिल्मकारों को आकर्षित करते हैं. अक्षय कुमार की मौजूदगी से स्थानीय

मसूरी में मौसम खराब रहने के बावजूद अक्षय कुमार का यहां पहुंचना चर्चा का विषय बना हुआ है. पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम के बदलते मिजाज के बीच फिल्म यूनिट के लिए शूटिंग की योजना को तय समय पर पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है. ऐसे में शूटिंग किन स्थानों पर होगी और मौसम के कारण कार्यक्रम में कोई बदलाव किया जाएगा या नहीं, इस पर सबकी नजर रहेगी.मसूरी और देहरादून लंबे समय से फिल्म और मनोरंजन जगत की पसंदीदा जगह रही है. यहां की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ी रास्ते और पुराने भवन स्तर पर भी फिल्म शूटिंग को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है. यदि तय कार्यक्रम के अनुसार शूटिंग होती है, तो इससे शहर में फिल्म यूनिट की गतिविधियां बढ़ने के साथ स्थानीय परिवहन, होटल और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों को भी काम मिलने की संभावना रहेगी. फिलहाल अक्षय कुमार के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उनके आराम करने की जानकारी सामने आई है. शूटिंग का अंतिम कार्यक्रम उनकी सेहत, डॉक्टरों की सलाह और मौसम की स्थिति को ध्यमें रखकर तय होने की संभावना है.

रजनीकांत की फिल्म ने किया 30 करोड़ का आंकड़ा पार, क्या इन फिल्मों को दे पाएगी मात?

रजनीकांत स्टारर 'जेलर 2' आज, 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. यह फिल्म इस साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक रही है. नेल्सन दिलीपकुमार की निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन कॉमेडी है और 2023 में रिलीज 'जेलर' की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है, जो भारत और दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी. प्रीक्वल की तरह सीक्वल को भी दर्शकों और समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है. सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की वजह से फिल्म स्ट्रॉन्ग ओपनिंग करने के लिए तैयार है.'जेलर 2' को लेकर जिस बात ने उत्साह बढ़ा दिया है, वह है कलाकारों की टोली. एस जे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, सूरज वेंजरामुडु, विद्या बालन, अन्ना राजन और जतिन सरना जैसे नाम फिल्म से जुड़े हुए हैं, जिससे सीक्वल को दर्शकों से काफी प्यार मिला है. हालांकि, 'जेलर 2' के बारे में सबसे बड़ी चर्चा ऋतिक रोशन के कैमियो को लेकर हो रही है. यह भगवान दादा के बाद रजनीकांत के साथ उनके स्क्रीन रियूनियन को दर्शाता है. बता दें, भगवान दादा (1986) में ऋतिक एक बाल कलाक. ार के रूप में दिखाई दिए थे. दिलचस्प बात यह है कि 'जेलर 2' को दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत मिलने की उम्मीद है.

'जेलर 2' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 1सैकनिल्क के अनुसार, 'जेलर 2' ने अपनी रिलीज से पहले जबरदस्त एडवांस बुकिंग की, ब्लॉक सीटों सहित 17,615 शो के लिए इसने 19. 60 लाख टिकटों से 41.48 करोड़ रुपये की कमाई की. बिना ब्लॉक सीटों के कलेक्शन 37.60 करोड़ रुपये रहा.सैकनिल्क के मुताबिक, 'जेलर 2' ने गुरुवार, शाम 4 बजे तक भारत में 9,701 से 29.39 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कलेक्शन किया है. इसमें सबसे ज्यादा योगदान तमिल बेल्ट का रहा है. तमिल में इसने 22. 80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. वहीं, तेलुगु और हिंदी से इसने क्रमशः 4.82 करोड़ रुपये और 1.56 करोड़ रुपये कमाए हैं.

'जेलर' की सफलता के बाद सीक्वल से उम्मीदें काफी अधिक हैं. प्रीक्वल ने दुनिया भर में लगभग 604.50 करोड़ रुपये की कमाई की थी. 'जेलर 2' के पहले दिन दुनिया भर में लगभग 125 करोड़ रुपये की कमाई करने की उम्मीद है, हालांकि इसकी अंतिम शुरुआती संख्या थिएटर की व्यस्तता और स्पॉट बुकिंग पर निर्भर करेगी. वीकेंड और सप्ताह के दिनों में फिल्म का प्रदर्शन यह संकेत देगा कि यह बॉक्स ऑफिस पर अपनी गति बरकरार रख पाती है या नहीं.

टूटेगाइन फिल्मों का रिकॉर्ड्स?

'जेलर 2' ओपनिंग डे पर 50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन पार करने के लिए तैयार है. कॉलीवुड की सिर्फ तीन फिल्मों ने ही यह आंकड़ा पार किया है – विजय की लियो (65 करोड़ रुपये), रजनीकांत की कुली (65 करोड़ रुपये) और 2.0 (60 करोड़ रुपये). 'जेलर 2' इन फिल्मों के कलेक्शन के आंकड़े के पार कर पाएगी या नहीं, ये तो कलेक्शन के फाइनल रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा. लेकिन बीस्ट (49 करोड़ रुपये), गोट (44 करोड़ रुपये), जन नायकन (43 करोड़ रुपये) और विक्रम (32 करोड़ रुपये) जैसी कुछ हालिया ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पीछे छोड़ने की संभावना है.

'जेलर 2' के बारे में

'जेलर 2' को सेंसर बोर्ड से यूए 16 सर्टिफिकेट मिला है. फिल्म का रनटाइम लगभग 165 मिनट है. नेल्सन दिलीपकुमार की निर्देशित और लिखित इस फिल्म में रजनीकांत अहम भूमिका में हैं. उन्होंने इस फिल्म में टाइगर मुथुवेल पांडियन की भूमिका निभाई है, जो एक रिटायर्ड 'जेलर' है. सन पिक्चर्स के तहत कलानिधि मारन की निर्मित सीक्वल में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर है. कलाकारों में राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मोहनलाल और शिव राजकुमार के साथ–साथ विद्या बालन, एस जे सूर्या, सूरज वेंजारामुडु और मिथुन चक्रवर्ती शामिल हैं.

'न्कजं ज्ममत' ज्तंपसमतः पाकिस्तानी जासूस बना हिंदुस्तानी देशभक्त, हंस–हंसकर लोटपोट कर देंगी आयुष्मान खुराना–सारा की फिल्म का ट्रेलर

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी स्पाई कॉमेडी फिल्म 'उड़ता तीर' दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है. बुधवार, 23 सितंबर को फिल्म का मजेदार ट्रेलर जारी किया गया है. यह फिल्म कॉमेडी, एक्शन और जासूसी का एक मजेदार मिश्रण होने का वादा करती है, जिसमें आयुष्मान का किरदार एक मिशन में फंस जाता है.धर्मा प्रोडक्शन ने 23 सितंबर को उड़ता तीर का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, 'पेश है जबरदस्त कॉमेडी. ऐसी जो पहले कभी नहीं देखी. तैयार हो जाइए, क्योंकि यह मिशन एक रोलरकोस्टर

राइड जैसा है.'

'उड़ता तीर' का ट्रेलर

'उड़ता तीर' के ट्रेलर की शुरुआत पाकिस्तान के मिलिट्री ऑफिस से होता है. वॉयज ओवर में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हिंदुस्तानी एक के एक जासूस पाकिस्तान में भेज रहा है. लेकिन अब पाकिस्तान, हिंदुस्तान में अपना जासूस भेजेगा. 3 मिनट 18 सेकंड के इस ट्रेलर में आयुष्मान खुराना को बिलाल अहमद के तौर पर दिखाया गया है, जो एक पाकिस्तानी जासूस है और उसे एक मिशन पर भारत भेजा जाता है. लेकिन, एक धमाके में बिलाल की याददाश्त चली जाती है और कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है. अपनी पहचान को लेकर उलझन में रहने के बाद, आखिरकार

published by KALIDINDI SUMALATHA from 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA - 500020. on behalf of RS USAR PUBLICATIONS, edited by RAGHURAMA RAJU KALIDINDI and printed by KALIDINDI SUMALATHA at KING DIGITAL OFFSET PRINTERS, 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA – 500020. PRGI NO: TGHIN/26/A7665, Email: rsusarp@myyahoo.com, 9849350555, 9515121467